



समाचार

- हैदराबाद में कोहराम, हिंदू संगठनों ने किया विरोध प्रदर्शन

- अमित शाह पर टिप्पणी से जुड़े मानहानि केस में आएगा फैसला



मामले में सोमवार को सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट फैसला सुनाएगा। विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने इस महत्वपूर्ण मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से

- नागपुर के कमरे में मिले 37 लाख, गिनती के लिए मशीन मंगानी पड़ी, आरोपी फरार

पंजाब विधानसभा चुनाव मे पहले कांग्रेस को झटका

● जलालाबाद के पूर्व विधायक रमिंदर आवला ने थामा अकाली दल का दामन



● एनएचपीसी ऑफिस और थाने में भीड़ ने लगाई आग ● बीजेपी अध्यक्ष के घर में तोड़फोड़, कई पुलिसकर्मी घायल ● बांध के विरोध में हिंसा, चीन से आने वाला पानी रोकेगा

महाराष्ट्र के जलगांव में आरएसएस के पथ संचलन पर बवाल

● धार्मिक स्थल के सामने हुआ पथराव, पुलिस ने किया लाठीचार्ज



जलगांव (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में आरएसएस के पथ संचलन के दौरान तनाव की स्थिति पैदा हो गई। कुछ लोगों मस्जिद के सामने से पथ संचलन के गुजरने का विरोध किया। पथ संचलन के विरोध में पुरुषों ने महिलाओं को आगे कर धरने पर बैठा दिया। इसी दौरान पथराव होने की बात भी सामने आ रही है। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। लिफालाह मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जलगांव जिले का अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया है।

वायुसेना के एयर शो में 100 विमानों ने दिखाई अपनी ताकत

काशी के नमो घाट पर राफेल-सुखोई ने दिखाए करतब

वायु सेना का शौर्य देख गदगद हुए पीएम, लाखों लोग रोमांचित

वाराणसी (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को वाराणसी के नमो घाट पर एयर शो देखा। शो में 100 विमानों ने हिस्सा लिया। इनमें राफेल और सुखोई जैसे 52 लड़ाकू विमान भी शामिल थे। पीएम मोदी के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी ने भी एयर शो देखा। नमो घाट पर पीएम मोदी ने करीब एक घंटे तक वायु सेना का शौर्य देखा। इसके बाद वायु सेना के चीफ ने प्रथममंत्री नरेंद्र मोदी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।



आसमानमें टिकी रहें पीएम की नजरें

नमो घाट पर एयर शो के दौरान वायुसेना का शौर्य देखने के लिए पीएम मोदी की नजरें आसमान में टिकी रहीं। इस दौरान गंगा की लहरों और काशी के आसमान में वामानों ने अपने करतब दिखाए। तो गंगा घाटों पर मौजूद लोगों का उत्साह बढ़ता ही गया। कड़ी धूप के बीच भी लोग उठे रहे। नमो घाट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एयर शो देख रहे हैं। सुबोई, राफेल और तेजस जैसे विमानों ने कलाबाजी दिखाई तो लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। नमो घाट और आसपास के घाटों के साथ ही गंगा पर डोमरी घाट पर लावों की संध्या में दर्शकों ने जमकर हट्टिंग की।

आदिवासी संगठन के
ऑफिस में भी तोड़फोड़

साथपाठ के द्वारा संपादित की जा सकती है।
प्रदर्शनकारी मेबो इलाके से
आए थे। भीड़ ने आदि संप्रदाय
के प्रमुख संगठन आदि बाने
केबांग के कार्यालय में भी
तोड़फोड़ की। पुलिस नुकसान
का आकलन कर रही है।
विधायक निर्वाग एरिंग के
मुताबिक, रात करीब 2 बजे
300-400 युवा उनके घर
पहुँचे। उन्होंने तोड़फोड़ कर
संपत्ति लूट ली। बंद का आह्वान
घर सारंगतों ने मिलकर किया
था। प्रदर्शनकारियों की मांग है
कि रिपेरात किए गए 10
कार्यकर्ताओं को रिहा किया
जाए।

दुश्मन की रणनीति के हिसाब से खुद को ढालना बेहद जरूरी

● एयरफोर्स चीफ बोले-कोई लक्ष्य हमारी पहुंच से बाहर नहीं

एयर चीफ मार्शल बोले-ऑपरेशन सिंदूर में साबित भी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि आप्रेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने पश्चिमी मोर्चे पर 1,200 किलोमीटर चौड़े और 200 किलोमीटर क्षेत्र में सटीक हमले किए। इससे साबित हुआ कि वायुसेना की पहुंच से कोई भी लक्ष्य बाहर नहीं है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में एक बार फिर दिखाया कि देश की सुरक्षा में वायुसेना की अहम भूमिका है। आप्रेशन से एक सबक सिद्ध है कि हमें हमसब काहिए अपने पास रखने चाहिए और



दुश्मन की रणनीति बदलने पर तेजी से खुद को उसके मुताबिक ढालने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने यह बात पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कही। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता किसी एक हथियार या विमान की वजह से नहीं मिली।

● 18 देशों के विशेषज्ञ होंगे शामिल- इससे बताया कि इस सम्मेलन में 18 देशों के विशेषज्ञ एकत्र होंगे और इसमें शैक्षणिक नेटवर्क, समुद्री विज्ञान, महासागरों के प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की क्षमता तथा उभरती प्रौद्योगिकियों पर विचार-विमर्श किया जायेगा। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस संवाद के पिछले संस्करणों में हिंद-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) के सात परस्पर जुड़े समुद्री प्राथमिकता क्षेत्रों के चुनिंदा पहलुओं पर विचार किया गया है। बैंकों में आयोजित 14 वीं पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में पीप्रेस ने इस पहल की घोषणा की थी।

जम्मू में रहने वाले 65 पाकिस्तानियों के खिलाफ चार्जशीट

● इनमें 15 लोगों की मौत हो चुकी, 1970 में भारत में घुसे थे ● यहीं पर रहकर फर्जी दस्तावेज बनाए, सरकारी नौकरी की

श्रीनगर (एजेंसी)। भारत में अवैध रूप से रहने वाले 65 पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। इनमें 15 की पहले ही मौत हो चुकी है। जम्मू क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्पेशल क्राइम विंग जम्मू ने जम्मू सभाग के चार जिलों जम्मू, पुंछ, राजोरी और कठुआ में दर्ज आठ मामलों की जांच पूरी कर संबंधित अदालतों में आरोपपत्र दाखिल किए हैं। इन मामलों में 50 जीवित आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किए गए हैं, जबकि 15 अन्य आरोपियों की मौत हो चुकी है। क्राइम ब्रांच के अनुसार, मुत्ताआरियों की भूमिका ही जांच में सामने आने पर रिपोर्टों में दर्ज की गई है। इस संबंध में स्पेशल क्राइम विंग, क्राइम ब्रांच जम्मू में एफआईआर नंबर 16/2024

दर्ज की गई थी। विश्वसनीय सूचना के आधार पर दर्ज मामले में आरोप था कि पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के कई नागरिक वैध यात्रा दस्तावेजों के आधार पर 1970 के दशक के अंतिम वर्षों और उसके बाद भारत आए थे। निर्धारित अवधि समाप्त होने के बावजूद वे जम्मू संभाग के विभिन्न क्षेत्रों में रह रहे थे। जांच के दौरान सामने आया कि कुछ लोगों ने अपनी विदेशी नागरिकता छिपाकर धोखाधड़ी से भारतीय पहचान दस्तावेज हासिल किए। इनमें कुछ पत्रकार और दस्तावेजों के आधार पर सरकारी विभागों में नौकरी प्राप्त करने का भी आरोप है। क्राइम ब्रांच के अनुसार, जांच में पाकिस्तान के सिंध, लाहौर, गुजरावाला और सरगोधा तथा पीओके के मीरपुर, रावलकोट और कोटली से मूल रूप से जुड़े परिवारों का पता चला।

चार जिलों में आठ मामलों में आरोपपत्र दाखिल

क्राइम ब्रांच के अनुसार, जम्मू जिले के एक मामले में 24 नवंबर 2025 को मुसिफ जम्मू की अदालत में आठ जीवित और चार मृत आरोपियों से संबंधित आरोपपत्र दाखिल किया गया। पुंछ जिले के दो मामलों में 30 दिसंबर 2025 को दो जीवित और एक मृत तथा 7 मार्च 2026 को 12 जीवित और चार मृत आरोपियों से संबंधित आरोपपत्र पेश किए गए। राजौरी जिले के चार मामलों में 15 अप्रैल, 16 जुलाई, 5 अगस्त और 28 सितंबर 2026 को आरोपपत्र दाखिल किए गए।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा प्रदेश कार्यसमितिके पहले दिन राजनीतिक प्रस्ताव पारित, हेमंत सरकार पर जमकर बरसे पार्टी नेता

रांची, एजेंसी। प्रदेश भाजपा की दो दिवसीय कार्यसमिति बैठक के पहले दिन जहां संगठनात्मक मजबूती के साथ राज्य में जनता का विश्वास जीतने का संकल्प लिया गया। वहीं वर्तमान राजनीतिक स्थिति और राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया गया है। कांके के बैक्वेट हॉल में आयोजित दो दिवसीय कार्यसमिति बैठक के द्वितीय सत्र में विश्व पटल पर उभरता भारत: सेवा एवं नेतृत्व के 25 वर्ष शीर्षक से प्रस्तावित राजनीतिक प्रस्ताव -01 को पटल पर रखा गया। पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अर्जुन मुंडा ने राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया जबकि राजनीतिक प्रस्ताव का केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी तथा सांसद विद्युतवरण महतो के द्वारा अनुमोदन किया गया। इसके पश्चात कार्यसमिति बैठक में उपस्थित प्रदेश पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों, पूर्व मुख्यमंत्रियों, पूर्व सांसदों, पूर्व विधायकों एवं कार्यसमिति के सदस्यों ने एक स्वर में प्रस्ताव का समर्थन करते हुए इसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस प्रस्ताव के शीर्षक के माध्यम से सेवा, नेतृत्व और वैश्विक पटल पर भारत के उभार के 25 वर्षों की यात्रा को रेखांकित किया गया है। राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए अर्जुन मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, सुशासन और राष्ट्रनिर्माण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के प्रतीक हैं। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभालने से लेकर देश के प्रधानमंत्री के रूप में नेतृत्व करने तक की उनकी यात्रा देश के लिए प्रेरणादायि है उनके नेतृत्व में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा, आर्थिक एवं सामरिक शक्ति और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का विकसित भारत-2047 का संकल्प तभी पूरा होगा, जब प्रत्येक राज्य विकसित भारत के निर्माण में प्रभावी भूमिका निभाएगा। अर्जुन मुंडा ने अपने प्रस्ताव में केंद्र सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं, महिला सशक्तिकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल विकास और किसानों, युवाओं एवं वंचित वर्गों के कल्याण के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम, श्रीराम मंदिर निर्माण, नई शिक्षा नीति तथा नक्सलवाद के विरुद्ध कार्रवाई को भी महत्वपूर्ण कदम बताया।

देवघर में संसदीय राजभाषा समिति की बैठक, केंद्रीय कार्यालयों और बैंकों में हिंदी के प्रयोग की हुई समीक्षा

देवघर, एजेंसी। संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उपसमिति की दो दिवसीय बैठक 23 और 24 अक्टूबर को देवघर में आयोजित की गई। इस दौरान समिति ने देवघर और आसपास के क्षेत्रों में स्थित विभिन्न केंद्रीय सरकारी कार्यालयों एवं बैंकों का निरीक्षण कर राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की। बैठक की अध्यक्षता महाराष्ट्र से सांसद श्रीरंग अप्पा बारणे ने की। बैठक में समिति के सदस्य सीताराम कुमार गौतम, ओम राजेन निंबालकर, नीरज डांगी, डॉ. धर्मशीला गुप्ता और जावेद अली खान सहित समिति सचिवालय के अधिकारी मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ से गढ़वा में घुसे जंगली हाथियों के कई झुंड, दहशत में 24 गांव के लोग

गढ़वा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ और गढ़वा के सीमावर्ती इलाकों में जंगली हाथियों की बढ़ती गतिविधियों ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है। छत्तीसगढ़ के रास्ते हाथियों के कई झुंड गढ़वा के जंगलों में प्रवेश कर चुके हैं। इनमें चार से पांच दर्जन हाथियों का एक बड़ा झुंड भी शामिल है।

हाथियों के झुंड के विचरण से जिले के 24 गांव सीधे तौर पर प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों के बीच डर का माहौल है। हालात ऐसे हैं कि लोग सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक ही अपने जरूरी काम निपटाने की कोशिश करते हैं। इसके बाद वे घरों में रहने को मजबूर हो जाते हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि



हाथियों की संख्या काफी ज्यादा है। उन्हें हर वक़्त इस बात का डर सताता रहता है कि कहीं हाथी उनके घरों को क्षतिग्रस्त कर अंदर न घुस जाएं। रात के समय भी लोग चैन से सो नहीं पा रहे हैं। हाथियों के हमले और जान-माल के नुकसान की आशंका ने ग्रामीणों

की चिंता बढ़ा दी है। गढ़वा के जंगलों में जंगली हाथियों के झुंड की मौजूदगी से जहां वन्यजीवों की गतिविधियां बढ़ी हैं, वहीं वन विभाग के सामने ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की बड़ी चुनौती भी खड़ी हो गई है। जिले के चिनिगा, रंका, रमकंड,

भंडरिया, मेराल और बड़गढ़ प्रखंड के वन क्षेत्रों में हाथियों का झुंड लगातार विचरण कर रहा है। हाथियों से होने वाले संभावित नुकसान को देखते हुए वन विभाग ने चार विक्क रिसॉर्न्स टीमों (क्यूआरटी) को अलर्ट मोड पर रखा है। विभाग की ओर से ग्रामीणों को जागरूक भी किया जा रहा है। विशेषज्ञों की दो टीमों भी इलाके में मौजूद हैं, ताकि हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके और किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

गढ़वा के डीएफओ एबीन बेनी अब्राहम ने कहा कि हाथियों से नुकसान होने पर नियमानुसार पीड़ितों को मुआवजा दिया जाता है।

धनबाद में स्वास्थ्य सेवाओं का होगा विस्तार, एसएसएलएनटी अस्पताल का होगा काराकल्प

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

धनबाद।उपयुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को लेकर बड़ी पहल शुरू की गई है। इसी कड़ी में शनिवार को एसएसएलएनटी अस्पताल परिसर का प्रशासनिक और तकनीकी अधिकारियों ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में चल रहे जंगल-झाड़ियों की सफाई कार्य को प्रगति का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने प्रस्तावित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (MCH) विंग के निर्माण के लिए स्थल का तकनीकी मूल्यांकन किया। साथ ही मौजूदा अस्पताल भवन की मरम्मत और



शामिल रही।सिखिल सर्जन ने अधिकारियों को सफाई कार्य में तेजी लाने और निर्माण से जुड़ा तकनीकी प्रस्ताव जल्द तैयार करने का निर्देश दिया है, ताकि मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सुचारु रूप से हो सके।

साबित होता है, इसकी जानकारी मिली है। स्टार्टअप में हमारे युवा प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं। ऑप्टिकल फाइबर के जनक नरेंद्र सिंह कपानी का 31 अक्टूबर को जन्म दिवस है। सरदार पटेल की जयंती पर 'रन फॉर यूनिटी' हमारी एकता को मजबूत करने और संकल्प को दोहराने का अवसर है। इसमें बड़-चढ़कर हिस्सा लें।

पीएम ने आगे कहा कि भारत के आठान पर वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में मनाया गया था। दुनिया ने जाना कि मिलेट्स सुपरफूड हैं।

नितिन नबीन ने रांची में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सुना मन की बात कार्यक्रम, प्रधानमंत्री के संदेश को लोगों तक पहुंचाने की अपील

रांची, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने रांची में एक बृथ पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ पीएम मोदी की मन की बात कार्यक्रम सुनी। इस दौरान उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी तथा भाजपा झारखंड के प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा के साथ कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। नितिन नबीन ने मन की बात कार्यक्रम को अत्यंत प्रेरणादायक बताया।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन रांची

के सुकुरहुटू गांव में बृथ नंबर 249 पर पहुंचे। यहीं उन्होंने मन की बात सुनी। कार्यक्रम के बाद उन्होंने बृथ अध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष को बुलाकर कहा कि यहीं हमारी ताकत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेशों को घर-घर पहुंचाएं। अगली पीढ़ी को शिक्षित करना है और दीदियों को लखपति बनाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के इस संस्करण में कहा कि नदियों की सफाई, खादी की बढ़ती लोकप्रियता और उसका लाभ उन लोगों तक पहुंच रहा है जिनके हृन्तर से खादी बनती है। स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए

गए उत्पादों को प्राथमिकता देने और बढ़ावा देने से ही आत्मनिर्भर भारत बनेगा। हमारी विशेषता है कि हम प्रौद्योगिकी को जल्दी अपना लेते हैं। ई-संजीवनी से 50 करोड़ मरीजों का इलाज उत्साहित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय था जब डॉक्टरों से दिखाना कठिन था, लेकिन अब देशभर में 1,90,000 आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं। सुखद बात यह है कि अब ग्रामीण लोग भी अपने स्वास्थ्य की नियमित जांच करा रहे हैं, जिसमें ई-संजीवनी की अहम भूमिका है। ब्रेन रिसर्च पर तमिलनाडु में काम हो

रहा है। ह्यूमन ब्रेन की थ्री-डी मैपिंग दुनिया में अकेले तमिलनाडु में हो रही है, जो परम कंप्यूटर की मदद से संभव हो रहा है। यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि तमाम वैज्ञानिक तत्त्वों के बावजूद आज भी ह्यूमन ब्रेन एक पहेली बना हुआ है। 100 ह्यूमन ब्रेन का डेटा भविष्य के शोध को गति देगा। इसी तरह मानव अंगदान भी जरूरी है। पीएम ने कहा कि हमारी युवा शक्ति समस्याओं के समाधान पर कैसे काम करती है, यह जानने का अवसर हमें मिला है। सर्वाइकल कैंसर की पहचान और निदान में एआई कैसे मददगार

है, इसकी जानकारी मिली है। स्टार्टअप में हमारे युवा प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं। ऑप्टिकल फाइबर के जनक नरेंद्र सिंह कपानी का 31 अक्टूबर को जन्म दिवस है। सरदार पटेल की जयंती पर 'रन फॉर यूनिटी' हमारी एकता को मजबूत करने और संकल्प को दोहराने का अवसर है। इसमें बड़-चढ़कर हिस्सा लें।

पीएम ने आगे कहा कि भारत के आठान पर वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में मनाया गया था। दुनिया ने जाना कि मिलेट्स सुपरफूड हैं।

20 महीने बाद मिला खोया मोबाइल, खिल उठे चेहरे, खूंटी पुलिस के 'मिशन मुस्कान' से लौट रही लोगों की खुशियां



रांची/खूंटी, एजेंसी। मोबाइल खोने के बाद उसके वापस मिलने की उम्मीद लगभग छोड़ चुके लोगों के चेहरे उस वक़्त खिल उठे, जब खूंटी पुलिस ने उन्हें उनका पुराना फोन वापस सौंपा। किसी का मोबाइल 10 महीने बाद मिला, तो किसी को 20 महीने के लंबे इंतजार के बाद अपना फोन वापस मिला। खूंटी पुलिस के 'मिशन मुस्कान' के तहत गुप्त और चोरी हुए मोबाइल की बरामदगी ने लोगों के चेहरों पर खुशी लौटाने के साथ पुलिस के प्रति उनका भरोसा मजबूत करने की कोशिश की है।

एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि मुख्यमंत्री और डीजीपी के निर्देशों के तहत जिले में यह अभियान चलाया जा रहा है। उनके पदभार संभालने के बाद से अब तक खूंटी पुलिस की तकनीकी टीम करीब 200 गुप्त और चोरी हुए

मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप चुकी है। एसपी के मुताबिक, हाल ही में आयोजित कार्यक्रम 'मिशन मुस्कान' का 5वां चरण था। इस अभियान के तहत तकनीकी सहायता से उन मोबाइल फोन को खोजने का प्रयास किया जाता है, जिन्हें लोग बाजार, सामाहिक हाट, दुकानों या यात्रा के दौरान कहीं गिरा देते हैं या भूल जाते हैं। एसपी ऋषभ गर्ग ने कहा कि आज के डिजिटल दौर में मोबाइल फोन केवल बातचीत का माध्यम नहीं रह गया है। इसमें लोगों की निजी तस्वीरें, जरूरी दस्तावेज, बैंकिंग से जुड़ी जानकारीयां और कई महत्वपूर्ण डेटा मौजूद रहते हैं। ऐसे में मोबाइल खो जाने से लोगों को आर्थिक नुकसान के साथ मानसिक परेशानी भी होती है।

रांची में बच्चे को वापस पाने के लिए एसएसपी आवास पहुंची महिला, आत्मदाह की कोशिश से मचा हड़कंप

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में रविवार को एसएसपी आवास के सामने उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक महिला अपने बच्चे के साथ आत्मदाह करने के इरादे से पहुंच गईं। महिला की इस कोशिश की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। हालांकि, समय रहते लालपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को अपने कब्जे में ले लिया।

महिला की पहचान सुखमनी देवी के रूप में हुई है। महिला का आरोप है कि पुलिस उसके बच्चे को उसे सौंप नहीं रही है। बच्चे को वापस पाने के लिए वह लगातार पुलिस थाने के चक्कर लगा रही है, लेकिन अब तक उसे न्याय नहीं मिल पाया है।

सुखमनी देवी का कहना है कि वह मानव तस्करी की शिकार हो चुकी है। महिला के मुताबिक, उसकी शादी जिस

स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। महिला जिस बच्चे को अपना बता रही है, उसकी पहचान और जैविक संबंध की पुष्टि के लिए डीएनए जांच कराई गई है, लेकिन अब तक जांच रिपोर्ट सामने नहीं आई है। इसी वजह से बच्चे को महिला



शख्स से हुई थी, उसने भी उसके साथ धोखा किया। आरोप है कि उसके नवजात बच्चे का सोदा कर दिया गया। इसके बाद से ही महिला अपने बच्चे को वापस पाने के लिए संघर्ष कर रही है। महिला का दावा है कि उसका बच्चा उससे अलग हो गया है और उसे वापस दिलाने के लिए वह लगातार पुलिस से गुहार लगा रही है। हालांकि, इस मामले में महिला के आरोपों की

को सौंपने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी है। रिपोर्ट आने के बाद ही बच्चे के संबंध में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। दूसरी ओर, महिला लंबे समय से अपने बच्चे को पाने की उम्मीद में पुलिस के पास जा रही है, लगातार इंतजार और बच्चे से दूर रहने की पीड़ा के बीच रविवार को उसका धैर्य जवाब दे गया।

मुंबई-हावड़ा ट्रेन में यात्री की मौत, 12 घंटों तक शव के साथ सफर करते रहे लोग, रेलवे ने नहीं ली सुध



जमशेदपुर, एजेंसी। मुंबई से हावड़ा जाने वाली गीतांजली एक्सप्रेस एक शव के साथ 12 घंटे तक चलती रही, लेकिन रेलवे ने बार-बार शिकायत के बाद भी सुध नहीं ली। ट्रेन में सफर कर रहे कैसर पीड़ित एक यात्री की मौत हो गई। बावजूद ट्रेन शव के साथ ही 12 घंटों तक चलती रही। आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद रेलवे प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की।

यह घटना 24 अक्टूबर, 2026 की है। जानकारी के अनुसार, कैसर से जूझ रहे विनोद पासवान मुंबई के एक कैसर अस्पताल में इलाज कराने के बाद हावड़ा लौट रहे थे। मुंबई से हावड़ा जा रही गीतांजलि एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 12859) में सफर के दौरान उनकी मौत हो गई। वह पश्चिम बंगाल के भाटपारा के रहने वाले थे। सफर के दौरान उनके परिवार के सदस्य भी उनके साथ थे।

विनोद पासवान की मौत के बाद, परिजनो ने उनके शव को एक चादर से ढक दिया। ट्रेन में मौजूद अन्य यात्रियों को जब इस बात का पता चला, तो उन्होंने झ्रझ्रध को इसकी जानकारी दी और मेडिकल एड और शव उतारने की मांग की। लेकिन घंटों इंतजार करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे यात्रियों में भारी आक्रोश फैल गया।

यात्रियों का आरोप है कि विनोद पासवान की मौत सुबह करीब 8:00 बजे हो गई थी, जिससे यात्री पहले से ही काफी परेशान थे। ट्रेन कई बड़े स्टेशनों से होकर गुजरी, लेकिन कोई भी रेलवे अधिकारी स्थिति का जायजा लेने या शव के संबंध में मदद करने नहीं आया। यात्रियों ने कई बार मेडिकल टीम बुलाने की गुहार लगाई, लेकिन उनकी एक न सुनी गई।

संक्षिप्तसमाचार

पुलिस के कथित दुर्व्यवहार पर एनआईआईआरसी सख्त, डीजीपी से मांगी अतिरिक्त रिपोर्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड में पुलिस अधिकारियों के कथित दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा के इस्तेमाल और पद के दुरुपयोग से जुड़े मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने झारखंड के पुलिस महानिदेशक से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने 23 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र में शिकायत से संबंधित बिंदुओं की समीक्षा कर आठ सप्ताह के भीतर अतिरिक्त एवं पूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इसके लिए 28 दिसंबर 2026 तक की समयसीमा निर्धारित की गई है। यह मामला झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव राजीव कुमार तिवारी की शिकायत से जुड़ा है, जो आयोग में केस संख्या 1588/34/16/2022 के तहत विचाराधीन है। राजीव कुमार तिवारी ने 27 मई 2022 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें उन्होंने पुलिस अधिकारियों पर कथित मारपीट, अभद्र भाषा के इस्तेमाल और सरकारी पद का दुरुपयोग करने के आरोप लगाए थे। शिकायत में यह भी कहा गया था कि रांची के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक ने आयोग के पूर्व निर्देशों का अनुपालन नहीं किया। मामले में धुवां थाना के तत्कालीन थाना प्रभारी और पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार की भूमिका का आयोग को रिपोर्ट सौंपी गई। इसमें धुवां थाना से संबंधित घटना और पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार के खिलाफ की गई विभागीय कार्रवाई का जिक्र किया गया था। पुलिस की ओर से आयोग को दी गई रिपोर्ट के मुताबिक, घटना के दौरान शिकायतकर्ता मोबाइल से वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहे थे और फेसबुक पर लाइव प्रसारण भी कर रहे थे। इसी दौरान उनकी पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार के साथ कहासुनी हुई थी। इसके बाद संबंधित पुलिस अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू की गई। रिपोर्ट में बताया गया कि विभागीय जांच में पुलिस निरीक्षक को दोषी पाया गया था। इसके बाद उन्हें डंडित करते हुए भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति नहीं होने की चेतावनी दी गई थी। आयोग के समक्ष उपलब्ध विवरण में यह भी रेखांकित किया गया कि किसी व्यक्ति के खिलाफ आरोप या पूर्व मामले होने के बावजूद पुलिस अधिकारियों को उसके साथ कानून के दायरे में रहकर ही व्यवहार करना चाहिए। राजीव कुमार तिवारी ने 9 मई 2026 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के समक्ष अपनी टिप्पणी प्रस्तुत की थी। उन्होंने पुलिस निरीक्षक के खिलाफ की गई विभागीय कार्रवाई पर असंतोष जताते हुए मामले की जांच और कार्रवाई से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि घटना के दिन उनके द्वारा बनाई गई वीडियो रिकॉर्डिंग से कथित दुर्व्यवहार की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है। उन्होंने पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार और अवर निरीक्षक नारायण सोरेन की ओर से जांच के दौरान लगाए गए आरोपों को गलत और निराधार बताया। साथ ही, उन्होंने अनुरोध किया कि विभागीय कार्रवाई पर अंतिम टिप्पणी करने से पहले उन्हें पूरी जांच रिपोर्ट और जांच अधिकारी सहित लोहरदगा के पुलिस अधीक्षक से संबंधित अभिलेखों की प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं।

अनाथालय में खुजली से बेहल मासूम, गंभीर बच्चों को रिश्तेदारों के घर छोड़ रहा वार्डन

धनबाद, एजेंसी। अनाथ बच्चों की देखभाल और उनके बेहतर भविष्य के लिए बनाए गए विद्यालय में यदि मासूम बच्चे बीमारी से परेशान हो जाए और गंभीर हालत में उन्हें रिश्तेदारों के यहां भेजा जाने लगे, तो व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है। धनबाद के पूर्वी टुंडी प्रखंड के पोखरिया स्थित पेमिया ऋषिकेश अनाथ विद्यालय में करीब 50 बच्चों में से 40 से अधिक के खुजली से पीड़ित होने की बात सामने आई है। आरोप है कि जिन बच्चों की हालत ज्यादा खराब हो रही है, उन्हें वार्डन रिश्तेदारों के यहां भेज रहे हैं, लेकिन रिश्तेदारों के घर पर नहीं मिलने से बच्चे भटकने को मजबूर हैं।

खास बात यह है कि इस विद्यालय का संचालन टुंडी के सत्ताधारी दल के विधायक मथुरा महतो से जुड़ा है और विद्यालय का नाम उनके माता-पिता के नाम पर रखा गया है। बच्चों की बीमारी और उन्हें रिश्तेदारों के यहां भेजने के मामले ने अब विद्यालय में इलाज, देखभाल और सुरक्षा की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

धनबाद के पूर्वी टुंडी प्रखंड के पोखरिया स्थित पेमिया ऋषिकेश अनाथ विद्यालय में रहने वाले बच्चों

की सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है। विद्यालय में करीब 50 बच्चे रहते हैं, जिनमें से 40 से अधिक बच्चों के खुजली से पीड़ित होने की बात सामने आई है। विद्यालय के वार्डन उपेंद्र शर्मा के मुताबिक, बच्चों के इलाज के लिए डॉक्टरों को बुलाया गया और दवाइयां भी दी गईं। इसके बावजूद कई बच्चे इस समस्या से परेशान हैं।

बच्चों की बीमारी के बीच एक 9 वर्षीय बच्चे की खुजली से हालत बिगड़ने के बाद उसे रिश्तेदार के यहां भेजा गया। आरोप है कि वार्डन ने दूसरे बच्चे के साथ उसे घर पहुंचवाया,

लेकिन वहां ताला लगा हुआ था। रिश्तेदार के नहीं होने पर बच्चा इधर-उधर भटकता रहा।

बच्चे के अभिभावक बबलू मरांडी के मुताबिक, वह खुद का इलाज कराने रांची गए थे। रात करीब 10 बजे लौटने पर उन्हें बच्चे के घर के बाहर भटकने की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने वार्डन से संपर्क किया और बच्चे की तलाश शुरू की। इस घटना ने बच्चों को रिश्तेदारों के पास भेजने की प्रक्रिया और उनकी सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

खुजली की वजह से जोसेफ

काफी परेशान था और लगातार रो रहा था। कर्मचारियों की सलाह पर उसे अभिभावक के पास भेजने का फैसला लिया गया। बच्चे को दूसरे बच्चे के माध्यम से घर पहुंचवाया गया था, लेकिन उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि घर पर ताला लगा है और वहां कोई मौजूद नहीं है: उपेंद्र शर्मा, वार्डन, पेमिया ऋषिकेश अनाथ विद्यालय

पेमिया ऋषिकेश अनाथ विद्यालय का संचालन टुंडी के विधायक मथुरा महतो से जुड़ा है। विद्यालय का नाम उनके माता-पिता के नाम पर रखा गया है। बच्चों के खुजली से पीड़ित होने के मामले विधायक मथुरा महतो ने कहा कि उन्हें भी इस समस्या की जानकारी है। पिछले सप्ताह ही डॉक्टरों की टीम विद्यालय पहुंची थी और बच्चों को दवाइयां दी गई थीं। उन्होंने बताया कि बच्चों के समुचित इलाज के लिए दोबारा डॉक्टरों की टीम भेजने को कहा गया है। विधायक के मुताबिक, खुजली की बीमारी में तुरंत राहत मिलना जरूरी नहीं है। दवाइयां दिए जाने के बाद धीरे-धीरे बच्चे स्वस्थ होंगे। बच्चों के इलाज के लिए डॉक्टरों की टीम भेजने की बात सामने आई है, लेकिन सवाल सिर्फ दवाइयों तक सीमित नहीं है।

रांची, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल तकनीक शिक्षा को आसान बना सकते हैं लेकिन शिक्षक की मानवीय संवेदना और विद्यार्थियों को समझने की क्षमता का विकल्प नहीं बन सकते। शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों का विकास करना भी है। यह बात रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने शुक्रवार को मोरहाबादी परिसर स्थित आर्यभट्ट सभागार में आयोजित कार्यशाला में कही।

रांची विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्वएसी) और यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन के संयुक्त तत्वाधान में 'डिजिटल युग में शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा' विषय

पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विभिन्न महाविद्यालयों के करीब 450 प्रशिक्षु शिक्षक और 50 प्राध्यापक शामिल हुए।

कुलपति ने कहा कि तकनीक सीखने की प्रक्रिया को सरल बनाती है लेकिन विद्यार्थियों की भावनाओं को समझना, उनमें आत्मविश्वास जगाना और उन्हें संवेदनशील नागरिक बनाना शिक्षक की विशिष्ट भूमिका है। उन्होंने शिक्षकों से डिजिटल तकनीक का उपयोग मानवीय मूल्यों के साथ करने और शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की।

इस कार्यशाला में गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की विशेषज्ञ डॉ. पूजा ने भावनात्मक बुद्धिमता, आत्म-जागरूकता और विद्यार्थियों के प्रति सहानुभूति के महत्व पर चर्चा की।

छठ पर घर लौटना हुआ मुश्किल, ट्रेनों में लंबी वेटिंग से यात्री परेशान, फ्लाइट का किराया भी चार

रांची, एजेंसी। दीपावली और छठ महापर्व पर घर लौटने की तैयारी कर रहे लोगों के सामने इस बार दोहरी परेशानी है। नियमित ट्रेनों में कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल हो गया है, तो हवाई सफर का किराया आम दिनों के मुकाबले तीन से चार गुना तक महंगा हो गया है। दिल्ली, मुंबई और बंगलुरु जैसे महानगरों से रांची लौटने वाले नौकरिपेशा लोगों और विद्यार्थियों को टिकट के लिए जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ रही है। वहीं, छठ पर बिहार जाने वाले यात्रियों के लिए भी कई ट्रेनों में लंबी वेटिंग और कुछ तारीखों पर टिकट उपलब्ध नहीं होने की स्थिति है। ऐसे में त्योहार पर परिवार के साथ समय बिताने की चाह रखने वाले यात्रियों को सफर की योजना पहले से बनानी पड़ रही है।

छठ के आसपास रांची और हटिया आने वाली नियमित ट्रेनों में सीटों का अभाव गहरा गया है। दिल्ली से आने वाली नई दिल्ली-रांची गरीब रथ एक्सप्रेस (12878) में 3 से 15

नवंबर के बीच कई तारीखों पर 200 से अधिक वेटिंग बताई गई है। आनंद विहार-हटिया एक्सप्रेस (12874) में 3 से 17 नवंबर के बीच अलग-अलग श्रेणियों में 10 से 112 तक वेटिंग है। कुछ तारीखों पर बुकिंग की स्थिति रिग्रेट तक पहुंच गई है।

झारखंड संपर्क क्रांति एक्सप्रेस (12826) में 4, 7, 11 और 14 नवंबर को स्लीपर श्रेणी में 100 से अधिक तथा थर्ड एसी में 86 तक वेटिंग बताई गई है। आनंद विहार-जाने वाले यात्रियों के लिए भी कई ट्रेनों में लंबी वेटिंग और कुछ तारीखों पर टिकट उपलब्ध नहीं होने की स्थिति है। ऐसे में त्योहार पर परिवार के साथ समय बिताने की चाह रखने वाले यात्रियों को सफर की योजना पहले से बनानी पड़ रही है।

बंगलुरु से आने वाली ट्रेनों में भी यात्रियों को राहत नहीं मिल रही है। बंगलुरु-हटिया एक्सप्रेस (12836) में कुछ तारीखों पर थर्ड एसी में 125 तक और स्लीपर में 100 से अधिक वेटिंग है। बंगलुरु-हटिया की दूसरी नियमित ट्रेन (18638) में भी नवंबर की कई तारीखों पर लंबी

वेटिंग की स्थिति बताई गई है। मुंबई से हटिया आने वाली लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस (12811) में भी कई तारीखों पर सभी श्रेणियों में सीटें फुल हैं।

छठ महापर्व के दौरान 9 से 12 नवंबर के बीच बिहार जाने वाली ट्रेनों में भी सीटों की मांग बढ़ी हुई है। मौर्य एक्सप्रेस (15027), हटिया-इस्लामपुर एक्सप्रेस (18624) और पाटलिपुत्र एक्सप्रेस (18622) में अलग-अलग श्रेणियों में लंबी वेटिंग पुरुलिया एक्सप्रेस (14022) में भी नवंबर की चुनिंदा तारीखों पर थर्ड एसी में करीब 90 और स्लीपर में 70 से अधिक वेटिंग है।

बंगलुरु से आने वाली ट्रेनों में भी यात्रियों को राहत नहीं मिल रही है। बंगलुरु-हटिया एक्सप्रेस (12836) में कुछ तारीखों पर थर्ड एसी में 125 तक और स्लीपर में 100 से अधिक वेटिंग है। बंगलुरु-हटिया की दूसरी नियमित ट्रेन (18638) में भी नवंबर की कई तारीखों पर लंबी

रामगढ़ में होमगार्ड बहाली की शारीरिक दक्षता परीक्षा शुरू, पहले और दूसरे राउंड की दौड़ पूरी

रामगढ़, एजेंसी। झारखंड के रामगढ़ जिले में होमगार्ड बहाली की शारीरिक दक्षता परीक्षा शनिवार से शुरू हो गई। रामगढ़ के सिद्ध-कान्हू मैदान में सुबह पांच बजे से ही अभ्यर्थियों के प्रवेश और दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया शुरू की गई। इसके बाद दौड़ के साथ शारीरिक दक्षता परीक्षा शुरू की गई। पहले और दूसरे राउंड की परीक्षा पूरी हो चुकी है, जबकि अन्य अभ्यर्थियों को दौड़ जारी है। जिला प्रशासन ने बहाली प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और कदाचारमुक्त तरीके से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

रामगढ़ के सिद्ध-कान्हू मैदान में शनिवार, 24 अक्टूबर से होमगार्ड बहाली की शारीरिक दक्षता परीक्षा की शुरुआत हो गई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, सुबह पांच बजे से ही अभ्यर्थियों का मैदान में प्रवेश और प्रवेश पत्र सहित जरूरी दस्तावेजों का सत्यापन शुरू किया गया। इसके बाद अभ्यर्थियों की दौड़ कराई गई।

बहाली प्रक्रिया के पहले दिन पहले और दूसरे राउंड की शारीरिक दक्षता परीक्षा पूरी करा ली गई है। वहीं, शेष अभ्यर्थियों की परीक्षा जारी है। इस बहाली प्रक्रिया में जिला प्रशासन की ओर से पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

प्रेषण दिया जा रहा है। बाहरी व्यक्तियों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रवेश पर भी सख्ती बरती जा रही है।

अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए मैदान में शुद्ध पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा और बैठने की व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन ने अभ्यर्थियों से किसी भी तरह के बर्हावे में नहीं आने और अनुशासन के साथ परीक्षा में शामिल होने की अपील की है।

पलामू सहिया अपहरण हत्याकांड : चार आरोपी गिरफ्तार, दुष्कर्म की आशंका, प्रिंस खान-सुजीत सिन्हा गिरोह से आरोपी का है संबंध

पलामू, एजेंसी। पुलिस ने जिले के नावाबाजार थाना क्षेत्र में दुर्गा पूजा के दौरान एक सहिया का अपहरण और उसके बाद हुई हत्या के मामले का खुलासा कर दिया है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में से एक का संबंध प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा के गिरोहों से भी है। गिरफ्तार आरोपियों ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म की बात भी कबूल की है। दुष्कर्म की पुष्टि के लिए पुलिस ने एफएसएल को जांच के लिए भेजा है।

दरअसल, पलामू के

शव एक खेत से बरामद हुआ। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस

ने चार आरोपी दीपरंजन पांडे, रोहित पांडे, आकाश शुक्ला उर्फ भुलन शुक्ला और विक्की आरापकिक इतिहास रहा है। आकाश शुक्ला का संबंध प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा के गिरोहों से रहा है और आठ महीने पहले ही वह जेल से बाहर निकला है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पीड़िता के गहने और अन्य निजी सामान बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी नशे के आदी हैं। घटना के दिन, उन्होंने गढ़वा में हेरोइन और ब्राउन शुगर खरीदी थी। दिन भर नशा करने के बाद, जब उनके पैसे खस हो गए, तो उन्होंने उसी रात लट्पाट करने की योजना बनाई।

झारखंड में नवंबर में जुटेंगे देश-विदेश के सरना धर्मावलंबी, मरांग बुरु और ललपनिया में होंगे दो बड़े महासम्मेलन

रांची, एजेंसी। झारखंड में नवंबर महीने में संथाल समाज और सरना धर्मावलंबियों के दो बड़े महासम्मेलनों का आयोजन होने जा रहा है। गिरिडीह के मरांग बुरु और बौकारो के ललपनिया में आयोजित होने वाले इन सम्मेलनों में देश के विभिन्न राज्यों के साथ विदेशों से भी सरना धर्मावलंबियों के जुटने की उम्मीद है। आयोजकों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दोनों महासम्मेलनों में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शनिवार को रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में संथाल

समाज के एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को आगामी 4 और 5 नवंबर को गिरिडीह जिले के पीरटांड स्थित मधुबन के मरांग बुरु में आयोजित होने वाले 'मरांग बुरु धर्मगाढ़ महा सम्मेलन-2026' में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को सम्मेलन की तैयारियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा की जानकारी भी दी। इस महासम्मेलन में आदिवासी समाज की धार्मिक मान्यताओं, सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक रीति-रिवाजों पर चर्चा की जाएगी।

एक पेड़ मां के नाम अभियान की देवघर में धीमी रफ्तार, अब तक महज 70 प्रतिशत ही पौधरोपण

देवघर, एजेंसी। पर्यावरण संरक्षण और पौधरोपण को जन आंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत की थी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मातृत्व और प्रकृति के बीच भावनात्मक संबंध स्थापित करते हुए अधिक से अधिक पौधरोपण करना और लगाए गए पौधों का संरक्षण सुनिश्चित करना है। अभियान के तहत मां के नाम पर एक पेड़ लगाने की अपील की गई थी, ताकि जिस तरह मां के प्रति सम्मान और स्नेह का भाव रहता है, उसी तरह पेड़ के प्रति भी जिम्मेदारी का अहसास हो और लोग उसकी देखभाल करें।

इस अभियान को सफल बनाने के लिए सरकारी विभागों, स्कूलों, स्थानीय निकायों और आम नागरिकों को जोड़ा गया है। झारखंड में भी अभियान के तहत बड़े पैमाने पर पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। खासकर सरकारी पर पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। खासकर सरकारी स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों के माध्यम से पौधरोपण को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, संथाल परगना के कई

जिलों में अभियान की रफ्तार अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। वहीं, पौधरोपण के बाद पौधों के संरक्षण को लेकर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, पूरे झारखंड में लगभग 30 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वहीं, देवघर जिले के करीब 2,200 स्कूलों में लगभग 1 लाख 40 हजार पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है।

देवघर जिला शिक्षा अधीक्षक मधुकर कुमार के अनुसार, पांच जून से शुरू हुए इस अभियान में जिले के विभिन्न स्कूलों के शिक्षक और विद्यार्थी लगातार पौधरोपण कर रहे हैं। डीएसई ने बताया कि 13 सितंबर तक प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, जिले में लगभग 36 हजार पौधे लगाए गए थे। हालांकि, श्रावणी मेले के कारण शुरुआती दौर में पौधरोपण की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। इसके बाद अगले एक महीने में शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रयास से पौधरोपण की संख्या बढ़कर लगभग 98 हजार तक पहुंच गई।

सत्ता से बाहर होने की बेचैनी में झारखंड को भाजपा का गढ़ बता रहे नितिन नवीन- विनोद पांडेय

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन झारखंड दौरे पर रांची में हैं। आज शनिवार को झारखंड प्रदेश भाजपा कार्यसमिति की बैठक के दौरान उन्होंने अपने संबोधन में झारखंड को मजबूत गढ़ बताते हुए यहां भी फिर से कमल खिलाने की बात कही थी। नितिन नबीन के इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया सत्ताकूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से आयी है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने प्रेस बयान जारी कर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के झारखंड दौरे और उनके बयानों पर तीखा राजनीतिक पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता झारखंड को अपना गढ़ बताकर राज्य की जनता का अपमान कर रहे हैं। झारखंड

किसी राजनीतिक दल का गढ़ नहीं, बल्कि यहां के सवा तीन करोड़ लोगों की आकांक्षाओं, संघर्षों और अधिकारों की धरती है।

झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि यहां की जनता ही लोकतांत्रिक तरीके से तय करती है कि सत्ता में कौन रहेगा। उन्होंने कहा कि जनता ने लगातार दो बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व को राज्य की सेवा का मौका दिया है। भाजपा नेताओं को यह समझना चाहिए कि झारखंड की जनता को राजनीतिक भाषणों और खोखले नारों से गुमराह नहीं किया जा सकता।

विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को झारखंड की जनता को यह बताना चाहिए कि राज्य के गठन के बाद लंबे समय तक सत्ता में रहने के

बावजूद भाजपा ने आदिवासियों, मूलवासियों, युवाओं और किसानों के हितों के लिए क्या किया। उन्होंने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती रही। यहां के लोगों को उनके संसाधनों के अनुरूप अधिकार और अवसर क्यों नहीं मिला? उन्होंने कहा कि आज भाजपा ने नेता विकास की बातें कर रहे हैं लेकिन उन्हें अपने शासनकाल के कामकाज का हिसाब भी देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती है लेकिन उनके नेताओं को यह भी बताना चाहिए कि आदिवासियों की जल, जंगल और जमीन के अधिकारों को लेकर उनकी प्रतिबद्धता कितनी मजबूत है। झारखंड की पहचान यहां की जनजातीय

संस्कृति, सामाजिक न्याय और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष की परंपरा से है, इस पहचान को राजनीतिक नारों तक सीमित नहीं किया जा सकता।

झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा के नेता छात्रों और युवाओं के मुद्दों पर घड़ियाली आंसू बहाने के बजाय तथ्यों के साथ अपनी बात रखें। युवाओं के भविष्य और रोजगार जैसे गंभीर विषयों को राजनीतिक लाभ का हथियार बनाना उचित नहीं है। राज्य सरकार युवाओं के हितों और रोजगार के सवालों पर प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। भाजपा को यह बताना चाहिए कि केंद्र सरकार के स्तर पर रोजगार, महंगाई और युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों पर उसका क्या जवाब है।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के

विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ट्रूक) जैसे संवेदनशील विषय पर भाजपा नेताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया और नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए न कि विपक्ष पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाकर लोगों का ध्यान देश के मूल मुद्दों से भटकाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नागरिकता और मताधिकार से जुड़े विषयों पर कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए न कि राजनीतिक बयानबाजी के जरिए समाज में भय और भ्रम का माहौल बनाया जाना चाहिए।

विनोद पांडेय ने कहा कि झारखंड की जनता ने हमेशा अपने अधिकारों, सम्मान और स्वाभिमान के लिए संघर्ष किया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष यहां चढ़े जितनी बैठकें कर लें और कार्यकर्ताओं को कितने ही राजनीतिक मंत्र दे दें।

10

11

12

संक्षिप्त समाचार

सिवान ब्लास्ट के बाद एवशन में प्रशासन, मुजफ्फरपुर में 4-5 पटाखें की दुकानें सील

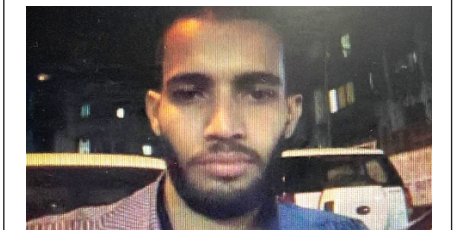
मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के सिवान में पटाखा बनाने के दौरान हुए भीषण विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई है. इस दर्दनाक हदसे के बाद मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट हो गया है. दीपावली के त्योहार से पहले सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने और उसकी जांच के लिए शनिवार को एक विशेष अभियान चलाया गया. सुरक्षा व्यवस्था की जांच के लिए शहर के प्रसिद्ध गरीबनाथ मंदिर के समीप स्थित पटाखा मंडी में अचानक छापेमारी की गई. प्रशासन की इस औपक कार्रवाई के दौरान पटाखा



कारोबारियों के बीच पूरी तरह से अफरा-तफरी मच गई. इस दौरान मौके पर सुरक्षा के लिहाज से बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी. प्रशासनिक टीम ने कार्रवाई करते हुए मौके पर चार से पांच पटाखा दुकानों को सील कर दिया है. इसके साथ ही इन दुकानों से भारी मात्रा में अवैध पटाखे भी जब्त किए गए हैं. एसीएम आनंद उत्सव के नेतृत्व में हुई इस बड़ी कार्रवाई में पुलिस के साथ अग्निशमन विभाग की टीम भी मुख्य रूप से शामिल रही. जांच टीम ने पटाखा दुकानों में सुरक्षा मानकों और सरकार द्वारा निर्धारित एसओपी के पालन की गहनता से जांच की. नियमों का उल्लंघन करने वाले और लापरवाही बरतने वाले दुकानदारों के खिलाफ मौके पर ही सख्त एवशन लिया गया. इस बड़ी छापेमारी को देखते के लिए बाजार में लोगों की भारी भीड़ जूट गई. प्रशासन ने मौके पर मौजूद सभी पटाखा कारोबारियों को सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी है. जिला अग्निशमन पदाधिकारी प्रज्ञा सरन ने बताया कि पटाखा मंडी में सुरक्षा मानकों के घोर उल्लंघन की गुप्त सूचना मिली थी. इसके बाद टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की. मामलों की जानकारी देते हुए एसीएम आनंद उत्सव ने बताया कि ‘पटाखा मंडी में कई दुकानों के अवैध रूप से संचालित होने और सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किए जाने की इनपुट मिली थी. इसके बाद विशेष टीम का गठन कर जांच की गई, जिसने कई खानियां पाई गईं. ‘ गौरतलब है कि सीवान में पटाखा बनाने के दौरान हुए एक बड़े विस्फोट में पांच लोगों की जान चली गई थी. वहां बास्केट के भारी बोझार में हुए धमाके से दो महिला पक्का मकान तक डह गया था. इसी घटना से सबक लेते हुए मुजफ्फरपुर प्रशासन पटाखों के भंडारण और बिक्री की सख्त जांच कर रहा है.....

मुंबई में एटीएस ने बिहार के युवक को पकड़ा, जैश के लिए कर रहा था प्रचार

किशनगंज, एजेंसी। महाराष्ट्र एटीएस द्वारा मुंबई के माहिम से गिरफ्तार किया गया जैश-ए-मोहम्मद का सदस्य मोहम्मद हसन अब सरगम अख्तर (33 वर्ष) बिहार का रहने वाला है. वह किशनगंज जिले के टाकूरगंज प्रखण्ड स्थित मनकरद्वारी गांव का निवासी बताया जा रहा है. उसकी



गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही स्थानीय सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं हैं. स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अब आरोपी के घर और उसके परिवार से संबंधित तमाम जानकारीयां जुटाने में लगा गई हैं. उस मामले में आरोपी के परिवारों का कहना है कि उसे फसाया जा रहा है. गिरफ्तार आरोपी कुल 6 भाई हैं, जिनमें से तीन भाई ठेकेदारी का काम करते हैं और सबसे बेटा भाई अभी पढ़ाई कर रहा है. हसन की भाभी ने बताया कि, पहले आठाने बड़े भाई के साथ दिल्ली में रहता था. पढ़ाई के लिए जब उसके भाई ने उसे डाटा, तो वो नाराज होकर मुंबई चला गया.....

बिहार के नेशनल खिलाड़ी समेत एक ही परिवार के चार लोगों की मौत, छत्तीसगढ़ में दर्दनाक हादसा

कटिहार, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले की रेन नदी में नहाने के दौरान कटिहार निवासी ताइक्वांडो राष्ट्रीय खिलाड़ी गोपाल कुमर समेत एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई. मृतकों में हाजीपुर निवासी विवेक सिंह, उनके पुत्र अभिजीत सिंह और कटिहार निवासी सादू सागर सिंह उर्फ सेट्टी सिंह के दो पुत्र गोपाल कृष्ण (13) व कृष्ण गोपाल (14) शामिल हैं. मरने वालों में तीन बच्चे हैं. गोपाल कृष्ण ताइक्वांडो के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी थे और उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर कटिहार का नाम रोशन किया था. एक और परिवार अपने दोनों बेटों को खाने के गहरे सदमे से गुजर रहा है. वहीं दूसरी ओर जिले ने एक ऐसे होनहार खिलाड़ी को खो दिया है, जिससे भविष्य में बड़ी उपलब्धियों की उम्मीद की जा रही थी. परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, सागर सिंह



पटना, एजेंसी। राजधानी पटना में एक बार फिर पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई है. बख्तियारपुर थाना क्षेत्र में हुई इस मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में हत्या के एक मामले के मुख्य आरोपी सौरभ सिंह के पैर में गोली लगी है. घायल आरोपी को पहले कल्याण बिगहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए पटना

बोधगया में पर्यटन सीजन बेपटरी; होटलों में केवल 30 प्रतिशत बुकिंग, 200 करोड़ के भारी घाटे का अनुमान

गयाजीजंदयू बिहार के सबसे बड़े पर्यटन स्थल बोधगया में विदेशी पर्यटकों की कमी के कारण इस साल अर्थव्यवस्था को घाटे का खतरा बढ़ गया है. होटल व्यवसाय से लेकर टूर एंड ट्रेवल्स

दरअसल होटल व्यवसाय, टूर एंड ट्रेवल्स, गाइड, रेस्तरां और सभी छोटे-बड़े व्यापारी संघटनों द्वारा पर्यटन सीजन की तैयारी पिछले कई महीनों से की जा रही थी. लेकिन अब उन्हें लगता है कि उनकी यह तैयारी बड़ी आमदनी में नहीं बदलेगी. पर्यटन सीजन की शुरुआत के साथ ही कारोबारियों को झटका लगने लगा है, क्योंकि जिन देशों से पर्यटकों की बड़ी संख्या बोधगया

पहुंचती थी, वहां के पर्यटक अभी न के बराबर पहुंच रहे हैं. बोधगया में पर्यटन सीजन मुख्य रूप से अक्टूबर से मार्च तक रहता है. अगस्त के महीने से यहां मिनी पर्यटन सीजन की शुरुआत हो जाती है. बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा इस संबंध में विशेष धार्मिक और पर्यटन कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं; लेकिन, बीटीएमसी का कार्यकाल भी 16 जुलाई 2026 को खत्म हो चुका है, और नए बोर्ड का अवतक गठन नहीं हो सका है. वहीं मिली जानकारी के मुताबिक इस बार बोधगया आने की तैयारी कर चुके कई विदेशी पर्यटक समूहों ने अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया है. इससे होटल, ट्रेवल एजेंसी, गाइड, वाहन संचालक और रेस्तरां कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है. बैंकॉक-नेपाल में बाढ़, दिल्ली में प्रदर्शन, मर्हौंग हवाई टिकट और उड़ानों



की अनुपलब्धता ने विदेशी पर्यटकों की आवाजाही प्रभावित की है. बोधगया में बैंकॉक, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, थाईलैंड, वियतनाम, जापान, चीन, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, यूएसए समेत दुनिया के कई देशों से बौद्ध पर्यटकों का आगमन होता है. इस साल कई देशों से पर्यटकों की कम संख्या पहुंचने की

संभावना बताई जा रही है. बताया जा रहा है कि इसके प्रमुख कारणों में बैंकॉक और नेपाल में आई बाढ़, मर्हौ हवाई टिकट, उड़ानों की अनुपलब्धता, दिल्ली और अन्य जगहों पर हुए धरना-प्रदर्शन तथा धर्मगुरु दलाई लामा का बोधगया नहीं आना शामिल हैं. वहीं इस मामले में बोधगया होटल एसोसिएशन

पार्टी में घुस गए कॉकरोच..’ अनंत सिंह पर कार्रवाई से भड़के समर्थक, जेडीयू ने भी कसा ‘शिशुपाल’ वाला तंज

पटना/नालंदा, एजेंसी। बिहार के बाहुबली विधायक अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच राजनीतिक विवाद अब गहरा चुका है. अनंत सिंह पर कार्रवाई की गाज गिर चुकी है. ये मामला अब ‘शिशुपाल’ और ‘कॉकरोच’ तक पहुंच चुका है. जेडीयू के अंदर ही कार्रवाई पर दो मत दिखाए दे रहे हैं. एक धड़ा शिशुपाल बता रहा है तो वहीं दूसरा धड़ा कार्रवाई करने वालों को पार्टी के अंदर ‘कॉकरोच’ की घुसपैठ करार दे रही है. फिलहाल अनंत सिंह पर इन आरोप-प्रत्यारोपों का कोई फर्क नहीं पड़ रहा है. अनंत सिंह के निष्कासन के बाद जेडीयू नेताओं ने मोर्चा खोल दिया और बयानबाजी की. पार्टी विधायक श्याम रजक ने अनुशासनहीनता पर कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि जेडीयू ने उचित समय पर उचित फैसला लिया है. उन्होंने अनंत सिंह की तुलना ‘शिशुपाल’ से करते हुए पार्टी के कदम को अनुशासन के लिहाज से सही ठहराया. ‘’अनंत सिंह की 100 गलती जब तक पूरी नहीं हुई हम लोगों ने कोई कार्रवाई नहीं की लेकिन जैसे ही उन्होंने परकाष्ठा की सीमा को पार किया, उनकी 100 गलती पूरी हुई ठीक उसी तरह से कार्रवाई की गई जिस तरह से श्री कृष्ण ने शिशुपाल का किया था. अब इनकी विधायकी भी खत्म करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष को लिखा गया है श्याम रजक के बयान से तय है कि पार्टी का एक धड़ा इस कार्रवाई को नेतृत्व के संगठनात्मक अनुशासन से जोड़कर देख रहा है. दूसरी ओर, अनंत सिंह के सरकारी इसे उनके साथ अन्याय के रूप में पेश कर



रहे हैं. ऐसे में यह मामला केवल एक विधायक के निष्कासन का नहीं, बल्कि पार्टी के भीतर नेतृत्व और अनुशासन को लेकर जारी बहस का रूप ले चुका है. इस पूरे विवाद में जेडीयू के पूर्व एमएलसी वाल्मीकि सिंह का बयान भी चर्चा में है. अनंत सिंह के समर्थन में उतरते हुए उन्होंने पार्टी के भीतर कुछ लोगों पर निशाना साधा और कहा कि जेडीयू में ‘कॉकरोच’ घुस गए हैं. उनके इस बयान ने विवाद को नया राजनीतिक रंग दे दिया है. एक तरफ श्याम रजक कार्रवाई को उचित बता रहे हैं, तो दूसरी तरफ वाल्मीकि सिंह पार्टी के भीतर अनंत सिंह के निष्कासन के बाद जेडीयू में केवल फैसले को लेकर ही नहीं, बल्कि पार्टी के नेताओं और समर्थकों के बीच आरोप-प्रत्यारोप को लेकर भी माहौल गर्म रहा है. जेडीयू से छह साल के लिए बाहर किए जाने के बाद अनंत सिंह के सरकारी आवास पर आतिशबाजी की गई. समर्थकों

एमएलसी नीरज कुमार के आवास के बाहर मिला सदिग्ध बैग, लाइसेंसी पिस्टल और 35 कारतूस बरामद

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में एमएलसी नीरज कुमार के आवास के बाहर मिला सदिग्ध बैग की बरामदगी की खबर आई है. बैग से लाइसेंसी पिस्टल, 35 कारतूस और जरूरी कागजातों की बरामदगी हुई है. बताया जा रहा है कि बैग में चेकबुक और 25 हजार रुपये भी थे. वहीं एमएलसी के कर्मियों द्वारा घटना की सूचना पाकर शास्त्री नगर पुलिस मौके पर पहुंची. बताया जा रहा है कि एक डॉक्टर को झांसा देकर बैग लेकर शांति अपराधी फरार हो गया. उसने 25 हजार रुपये निकालकर एमएलसी आवास के बाहर बैग फेंका. पीड़ित ने एयरपोर्ट थाने में शिकायत दर्ज कराई है. मिली



जानकारी के मुताबिक सदिग्ध बैग देखकर एमएलसी आवास के कर्मियों ने शास्त्री नगर थाने को सूचना दी. वहीं मौके पर

के अध्यक्ष जय सिंह का मानना है कि बोधगया में पर्यटकों की घटती संख्या का एक कारण दिल्ली में रह रहकर हो रहे उग्र धरना प्रदर्शन भी है. उनके मुताबिक जो पर्यटक सीधे दिल्ली पहुंचते थे उनकी आवाजाही भी प्रभावित हुई है. इन प्रदर्शनों से सिर्फ बोधगया ही नहीं बल्कि राजस्थान और देश के अन्य पर्यटक स्थलों को भी नुकसान हो रहा है. जय सिंह कहते हैं कि विदेशी पर्यटक इस तरह के माहौल में आना पसंद नहीं करते हैं. खासतौर से वह पर्यटक जो दिल्ली आते हैं और फिर वहां से वह देश के अन्य राज्यों के पर्यटन स्थलों पर जाते हैं. बोधगया में पर्यटन सीजन में ऐसे पर्यटकों की संख्या 20,000 से 25,000 होती है. कई देशों में जंग के कारण विमान के किराए में बढ़ोतरी देश के अन्य पर्यटक स्थलों को भी नुकसान हो रहा है. जय सिंह कहते हैं कि विदेशी पर्यटक इस तरह के माहौल में आना पसंद नहीं करते हैं. खासतौर से वह पर्यटक जो दिल्ली आते हैं और फिर वहां से वह देश के अन्य राज्यों के पर्यटन स्थलों पर जाते हैं. बोधगया में पर्यटन सीजन में ऐसे पर्यटकों की संख्या 20,000 से 25,000 होती है. कई देशों में जंग के कारण विमान के किराए में बढ़ोतरी के हुई है. इससे भी पर्यटकों की संख्या खास तौर से यूरोपीय देशों के पर्यटकों की संख्या कम आई है

जय सिंह के अनुसार बोधगया आने की तैयारी कर चुके कई विदेशी पर्यटक समूहों ने अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया है. उन्होंने बताया कि पहले उनकी बुकिंग यहां बोधगया आने की हुई थी इनमें कई समूह ऐसे हैं जो अपने देश से सीधे दिल्ली पहुंचने वाले थे, लेकिन अब वह नहीं आ रहे हैं.

बिहार में होटल के अंदर स्टाफ ने वेटर को चाकुओं से गोदकर की हत्या, मामूली विवाद में वारदात



गोपालगंज, एजेंसी। बिहार के गोपालगंज में एक होटल में काम करने वाले वेटर को साथी कर्मियों ने बेरमही से हत्या कर दी. आरोप है कि अनीश सिंह को चाकुओं से गोद-गोदकर मार डाला. विवाद बाइक की चाबी न देने को लेकर शुरू हुआ. मृतक अनीश होटल में पिछले 4 महीनों से वेटर कैप्टन के रूप में काम कर रहा था. वारदात के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने शव को होटल के सामने रखकर जमकर प्रदर्शन किया और न्याय की मांग की. मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और फरार होने से पहले ही आरोपियों को पुलिस ने दबोच लिया. होटल में किचन स्टाफ राहुल का जन्मदिन था, जिसके जश्न में होटल के अन्य स्टाफ शामिल थे. इसी पार्टी के दौरान आरोपी गौतम ने मृतक से बाइक की चाबी मांगी. अनुज कुमार सिंह का समर्थन किया और उनके पक्ष में प्रचार भी किया.

एमएलसी नीरज कुमार के आवास के बाहर मिला सदिग्ध बैग, लाइसेंसी पिस्टल और 35 कारतूस बरामद

पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की. बताया जा रहा है कि पुलिस को छानबीन में पता चला कि बैग वैशाली के महुआ निवासी कारोबारी डॉ शमीम अंसारी का है. दरअसल डॉ. शमीम अंसारी बीते शुक्रवार को निजी काम से पटना पहुंचे थे. इसी दौरान जब वे एक अस्पताल के सामने अपनी गाड़ी में बैठे थे, तब एक अज्ञात व्यक्ति ने झांसा देकर उनसे बैग लूट लिया. अपराधी ने डॉ. शमीम अंसारी से कहा कि उनकी गाड़ी से मोबिल गिर रहा है. इतना सुनते ही डॉ. शमीम वे गाड़ी से उतरे और जांच करने लगे. इस दौरान उनका बैग गाड़ी में ही रहा था. इसी का फायदा उठाकर शांति शस्त्र बैग चोरी कर फरार हो गया.

आपातकालीन मरीजों की जांच में देरी न हो, उपकरणों का रखरखाव दुरुस्त करें

गोरखपुर , एंजेंसी। ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय में आपातकालीन मरीजों की जांच समय पर हो, इसके लिए उपकरणों का रखरखाव दुरुस्त किया जाएगा। पूर्वोत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक विनोद कुमार शुक्ल ने शनिवार को अस्पताल का निरीक्षण कर अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने नए आपातकालीन चिकित्सा विभाग में अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे समेत अन्य चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था देखी। साथ ही मरीजों को मिल रही सुविधाओं, दवा वितरण काउंटर और अस्पताल की साफ-सफाई का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इसके लिए सभी अधिकारी और कर्मचारी जिम्मेदारी से काम करें, ताकि किसी मरीज को असुविधा न हो। अपर महाप्रबंधक ने अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था बनाए रखने और मरीजों की जरूरतों का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. सुष्मा भारकर माटे, वरिष्ठ चिकित्सक और संबंधित विभागों के कर्मचारी मौजूद रहे।

ओवरलोड उपकेट्रों की क्षमता बढ़ाने के निर्देश

गोरखपुर , एंजेंसी। बिजली व्यवस्था में सुधार और उपभोक्ताओं की शिकायतों को समय से दूर करने के लिए शनिवार को ऊर्जा राज्यमंत्री कैलाश सिंह राजपूत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा की। उन्होंने बिजली घरों और फीडरों पर बढ़ते लोड को कम करने, खराब ट्रांसफार्मरों की समस्या दूर करने और गलत बिलिंग रोकने के निर्देश दिए। बैटक में अधिक लोड वाले बिजली घरों की क्षमता बढ़ाने और जरूरत के अनुसार अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने पर चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि हर बिजली घर की समस्या दूर करने के लिए समय तय करें और उसी के अनुसार काम पूरा करें। लंबे और अधिक लोड वाले 33 केवी और 11 केवी के फीडरों का भी लोड कम करने को कहा गया। इसके लिए फीडरों को अलग करने, बिजली का लोड दूसरे फीडर पर भेजने और जरूरत के अनुसार नए फीडर बनाने के निर्देश दिए गए। ऊर्जा राज्यमंत्री ने कहा कि एक ही जगह बार-बार ट्रांसफार्मर खराब होने के कारणों की जांच की जाए। इसमें लापरवाही मिलने पर जिम्मेदार अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। गलत बिजली बिल बनने की शिकायतें रोकने के लिए मीटर की रीडिंग, उसकी फोटो और बिल में दर्ज जानकारी का मिलान किया जाएगा। बैटक में 1912, झटपट और पीटीडब्ल्यू पोर्टल पर लंबित शिकायतों और आवेदनों की भी समीक्षा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि शिकायतों का तय समय में निस्तारण करें और अपने क्षेत्र की बिजली व्यवस्था सुधारने की जिम्मेदारी लें।

नसबंदी के बाद गर्भवती हुई महिला... डॉक्टर पर आरोप, कोर्ट ने दावा निरस्त किया

बरेली, एंजेंसी। अपर सत्र न्यायाधीश अभय श्रीवास्तव ने भूता थाना क्षेत्र के गांव फैजान नगर निवासी मंजू देवी के बीएनएसएस की धारा 173(4) के तहत दायर आवेदन को खारिज कर दिया गया है। मंजू देवी ने महिला डॉक्टर पर नसबंदी में लापरवाही और शिकायत पर जाति सूचक शब्दों से अपमानित करने का आरोप लगाते हुए कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। उसकी अर्जी की विस्तृत जांच में आरोप पुष्ट नहीं हुए। मंजू देवी ने आरोप लगाया कि उसने वर्ष 2015 में फरीदपुर स्थित सरकारी महिला अस्पताल में नसबंदी का ऑपरेशन करवाया था। इस दौरान ऑपरेशन करने वाली डॉक्टर को बताया था कि वह आठ महीने की गर्भवती है, फिर भी डॉक्टर ने नसबंदी का ऑपरेशन कर दिया। नसबंदी के बावजूद वह फिर से गर्भवती हो गई। इसके बाद तीन जुलाई 2018 को उसने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। 22 दिसंबर 2025 को तत्कालीन उसे सीएमओ ने अपने कार्यालय बुलाया। यहां उससे कुछ कागजात पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा। इन्कार करने पर अपमानित किया। जबरदस्ती उससे और उसके पति से उसकी कागजों पर हस्ताक्षर करवाए और अंगूठे के निशान लिए। मंजू देवी ने जुलाई 2026 में इस पर कार्रवाई के लिए अर्जी दी। इस पर कोर्ट ने थाना पुलिस ने विस्तृत जांच रिपोर्ट तब तक की। जांच में आरोपी पुष्ट नहीं हुए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई संबंधी अर्जी को निरस्त कर दिया।

पीईटी अभ्यर्थियों के लिए तीन जोड़ी विशेष ट्रेनें, बरेली से चलेंगी 120 अतिरिक्त बसें

बरेली, एंजेंसी। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की ओर से आयोजित प्रारंभिक अहंता परीक्षा (पीईटी-2026) रविवार से शुरू हो गई। बरेली जिले में 23 केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर 25 व 30 अक्टूबर और एक नवंबर को दो-दो पालियों में 62,064 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। उनके लिए रेलवे तीन जोड़ी विशेष ट्रेनें चलाएगा। रोडवेज ने भी 120 अतिरिक्त बसों का इंतजाम किया है। शनिवार रात से ही अभ्यर्थियों का बरेली आना शुरू हो गया था। मुरादाबाद मंडल के सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि रेलवे 05310-09 बरेली-मथुरा, 05011-12 लखनऊ-बरेली और 04325-26 शाहजहांपुर-बिजनौर के बीच विशेष अनारक्षित ट्रेनें का संचालन करेगा। भीड़ बढ़ने पर अतिरिक्त कोच और रैक की भी



व्यवस्था की जाएगी।

रोडवेज ने भी 120 बसों के रूट तय किए हैं। इन बसों का संचालन बरेली से गाजियाबाद, शाहजहांपुर, सीतापुर, बदायूं, कासगंज, मथुरा, फर्रुखाबाद, हर्दोई, बीसलपुर-लखीमपुर के बीच किया जाएगा। आरएम मोहम्मद अजीम ने बताया कि

सभी इंतजाम कर लिए हैं।

आधे घंटे पहले पहुंचना होगा केंद्र: परीक्षा नोडल एडीएम सिटी डॉ. अविनाश त्रिपाठी के अनुसार, पीईटी-2026 तीन दिनों में संपन्न होगी। पहले दिन रविवार को सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक पहली पाली और दोपहर तीन से शाम पांच बजे तक दूसरी पाली

होगी। प्रत्येक पाली में 10,344 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इस बार 23 केंद्र निर्धारित हैं। अभ्यर्थियों को आधे घंटे पहले केंद्रों पर पहुंचना होगा।

अफसरों ने अभ्यर्थियों का जाना हाल: पीईटी में शामिल होने के लिए शनिवार रात हजारों अभ्यर्थी जंक्शन व बस स्टैंड

रोमांचक क्लाइमेक्स के 9 जांबाज, 3000 घंटे उड़ा चुके हैं जेट; ग्रुप कैप्टन का कॉल साइन ‘डस्टी’



वाराणसी, एंजेंसी। वाराणसी में एयर शो के रोमांचक क्लाइमेक्स की जिम्मेदारी नौ जांबाज पायलटों के कंधों पर है। ये पायलट अब तक तीन हजार घंटे से अधिक फाइटर जेट उड़ा चुके हैं। आसमान में हैरतअंगेज करतब, सटीक तालमेल और तेज रफ्तार के साथ ये वायुसेना के शौर्य और कौशल का प्रदर्शन कर दर्शकों को रोमांचित कर रहे हैं।

एयर शो का रोमांचक क्लाइमेक्स जिसे देख हर कोई चौंक उठा, वह सूर्य किरण एरोबैटिक टीम के नौ विमानों का आसमानी करतब रहा। इन विमानों को उड़ाने से पहले इन पायलट्स की जांबाजी फाइटर जेट पर भी दिख चुकी है। नौ जांबाजों में से छह

पायलट सुखोई एमकेआई 30 के ही पायलट रह चुके हैं।

3000 घंटे विमान उड़ाने का अनुभव रखने वाले ग्रुप कैप्टन अजय दशरथी के नेतृत्व में शनिवार को इस टीम का आसमान पर सटीक तालमेल दिखा। ग्रुप कैप्टन अजय दशरथी का कॉल साइन ‘डस्टी’ है। इससे पहले वह सुखोई 30 एमकेआई से उड़ान भरते थे। चेन्नई के अजय जून 2006 में भारतीय वायुसेना में कमीशंड हुए थे।

दूसरे स्थान पर हैं स्कॉडन लीडर दिवाकर शर्मा। इनका कॉल साइन दिवी है। इन्हें 1200 घंटे का अनुभव है। इससे पहले सुखोई 30 एमकेआई उड़ाया है। 2013 में कमीशंड हुए। हॉक एयरक्राफ्ट का भी काम

संभाला है। दूसरे नंबर पर ही स्कवॉडन लीडर तुषार शर्मा हैं, जिन्हें टैगो कहते हैं।

इन्हें 1500 घंटे तक विमान उड़ाने का अनुभव है। इन्होंने जगुआर और मिग-21 एयरक्राफ्ट भी उड़ाए हैं।

ये संगीतप्रेमी हैं और इन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। विंग कमांडर तेजेश्वर सिंह को 2300 घंटे तक विमान उड़ाने अनुभव है। चंडीगढ़ के तेजेश्वर इससे पहले सुखोई 30 एमकेआई उड़ाते थे। जयपुर के स्कवॉडन लीडर सांजेश सिंह संजू को 1900 घंटे विमान उड़ाने का अनुभव है।

इनका पिछला एयरक्राफ्ट सुखोई 30 एमकेआई ही रहा है। स्कवॉडन लीडर भावेश शर्मा के पास 1600 घंटे का अनुभव है।

काशी के आसमान में भव्य एयर शो, राफेल-सुखोई की दिखी कलाबाजी, दर्शकों में दिखा गजब का उत्साह

वाराणसी, एंजेंसी। वाराणसी में एयर शो के दूसरे दिन यानी शनिवार की सुबह से नमो घाट से लेकर राजघाट और अस्सी घाट तक दर्शक पहुंचने लगे। इस दौरान धूप से बचने के लिए लोग हाथों में छाता और सिर पर टोपी लगाए दिखे। वाराणसी में एयर शो के दूसरे दिन शनिवार को आसमान में विमानों के गड़गड़ाहट के साथ शो शुरू हुआ। भारतीय वायु सेना का विंस ओवर गंगा एयर शो नमो घाट पर गंगा नदी के ऊपर आयोजित किया गया। इस दौरान राफेल, सुखोई-30एमकेआई, तेजस और मिराज 2000 जैसे लड़ाकू विमानों ने शानदार हवाई करतब दिखाए। इन रोमांचक प्रदर्शनों ने बड़ी संख्या में दर्शकों कोंत्रमुग्ध कर दिया। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम भारतीय वायु सेना की 94वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 22, 24 और



एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन, प्राचार्य की कुर्सी पर लगाया लापता का पोस्टर



बरेली, एंजेंसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की बरेली कालेज इकाई ने विद्यार्थियों को नामांकन संख्या न मिलने के कारण परीक्षा आवेदन पत्र भरने में आ रही समस्याओं को लेकर शनिवार को प्राचार्य कार्यालय में प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्रों ने प्राचार्य की अनुपस्थिति में उनकी कुर्सी बाहर निकाल कर नारेबाजी भी की। इस प्रदर्शन में महानगर सहमंत्री कुनाल मिश्रा, इकाई मंत्री सलोनी यादव, नितिन मिश्रा, हर्ष राजपूत, लक्ष्मी शर्मा, अंश गंगवार,

अंकिता और विनोद व अन्य शामिल रहे। एबीवीपी कार्यकर्ता विद्यार्थियों की समस्या लेकर प्राचार्य कार्यालय पहुंचे थे। वहां प्राचार्य नहीं मिले। उप प्राचार्य और चीफ प्रॉक्टर भी अपने कार्यालय में मौजूद नहीं थे। जिम्मेदार अधिकारियों की अनुपस्थिति और समस्या समाधान में देरी के विरोध में कार्यकर्ताओं ने विरोध दर्ज कराया। उन्होंने प्राचार्य की कुर्सी पर लापता प्राचार्य का पोस्टर लगा दिया। अन्य दो कुर्सियों पर लापता उप प्राचार्य और लापता चीफ प्रॉक्टर के पोस्टर भी

लगाए गए। प्राचार्य की कुर्सी को कार्यालय से बाहर प्रांगण में लाकर रख दिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी।

अंतिम तारीख बढ़वाने का दिया भरोसा : प्रभारी चीफ प्रॉक्टर डॉ. नीरज पाल मलिक ने उनकी समझाने का प्रयास किया। उन्होंने परीक्षा आवेदन पत्र भरने की अंतिम तारीख बढ़वाने का भरोसा दिया। उप प्राचार्य वंदना शर्मा ने बताया कि प्राचार्य छुट्टी पर थे। उनसे बात करने के बाद विद्यार्थियों की समस्या सुलझे

25 अक्तूबर को निर्धारित है। 23 अक्तूबर को उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव के कारण शो नहीं हुआ था। तस्वीरों में देखें- अपडेट

प्रधानमंत्री के दौरे के महेनजर शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शहर को 32 जोन, 50 सेक्टर और 80 सब-सेक्टर में बांटा गया है। लगभग 11,900 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं।

एयर शो में कुल 100 विमान शामिल हैं, जिनमें 52 लड़ाकू जेट, 15 परिवहन विमान और 32 हेलीकॉप्टर हैं।

एक विरासत विमान भी प्रदर्शन का हिस्सा है। चिन्क हेलीकॉप्टर और सूर्य किरण एरोबेटिक टीम के प्रदर्शन मुख्य आकर्षणों में से थे।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन, प्राचार्य की कुर्सी पर लगाया लापता का पोस्टर

इसलिए विश्वविद्यालय गई थीं। एबीवीपी कार्यकर्ताओं की दोनों मांगों को लेकर उनसे लगातार बात हो रही थी, फिर भी इस तरह की घटना निंदनीय है। चीफ प्रॉक्टर डॉ. इंदीवर सिंह ने बताया कि वह भी अवकाश पर थे।

समीक्षा कर पाठ्यक्रमों को श्रेणीबद्ध करने की मांग: समाजवादी छात्र सभा ने रहेलखंड विश्वविद्यालय प्रशासन से 700 विद्यार्थियों के प्रवेश और छात्रवृत्ति संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग की है। महानगर अध्यक्ष विक्रांत सिंह पाल ने बताया कि कुछ पाठ्यक्रमों को स्व-वित्तपोषित श्रेणी में रखने से विद्यार्थी असमंजस में हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे छात्रवृत्ति पर निर्भर होते हैं। समाजवादी छात्र सभा ने संबंधित पाठ्यक्रमों की आरक्षित श्रेणी के आधार पर समीक्षा कर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। साथ ही, छात्रवृत्ति के पात्र विद्यार्थियों को आवेदन का अवसर और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए कहा है। मांग है कि डीएसडब्ल्यू कार्यालय में विद्यार्थियों की शिकायतों की सुनवाई और निस्तारण की प्रभावी व्यवस्था हो और विवि प्रशासन को स्पष्ट कार्ययोजना जारी करे।

चांद के दीदार से पहले खुद को संवारने की होड़

अलीगढ़ , एंजेंसी। करवा चौथ का त्योहार नजदीक आते ही महिलाओं में सजने-संवर्नने का उत्साह बढ़ गया है। बाजारों में खरीदारी के साथ ही सौंदर्य पार्लरों और सैलून में भी रौनक बढ़ने लगी है। महिलाएं उस दिन खूबसूरत दिखने के लिए चेहरे की सफाई, मेकअप, केश सज्जा और मेहंदी के लिए अग्रिम बुकिंग करा रही हैं। शहर के पार्लरों में

2000 से 6000 रुपये तक के पैकेज उपलब्ध हैं, जबकि विशेष पैकेज की कीमत 7000 रुपये तक पहुंच रही है। महिलाएं पारंपरिक परिधानों के साथ आकर्षक मेकअप, लाल और मैरून रंग के कपड़ों, चूड़े और मेहंदी को प्राथमिकता दे रही हैं। सेंटर पॉइंट स्थित सैलून की मैनेजर रोमा गोड़ ने बताया कि अब तक करीब 60 महिलाएं बुकिंग करा चुकी हैं। महिलाएं अपनी जरूरत और बजट के अनुसार सेवाएं पसंद कर रही हैं। वहीं, लक्ष्मीबाई मार्ग स्थित सैलून की ब्रांड हेड निशिता सिंह ने बताया कि करवा चौथ के लिए 3500 रुपये से विशेष पैकेज शुरू किए गए हैं, जिनकी कीमत 7000 रुपये तक है। इनमें चेहरे की सफाई, वैकिसिंग और हेयर स्पा जैसी सेवाएं शामिल हैं। हेयर स्टाइलिंग के लिए 799 रुपये और मेहंदी के लिए 1199 रुपये की बुकिंग हो रही है। दो पैकेज लेने पर मेहंदी मुफ्त देने की सुविधा भी दी जा रही है। त्योहार को लेकर पार्लरों में बुकिंग का सिलसिला तेज हो रहा है।



संक्षिप्त समाचार

दिल्लीमेंएनकाउंटर,एकलाखकाइनामीबदमाशपैरमेंगोलीलगनेसेघायल



नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में एक लाख का इनामी बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, मैदानगड़ी थाने के इलाके में रविवार सुबह करीब 6:30 बजे पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई। बाइक पर सवार बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार हुए बदमाश पर कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस डैकटी के केस में उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान बदमाश ने पुलिस कर्मियों पर कई राउंड फायरिंग की, जिसमें पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। वहीं, पृच्छाओर रिकॉर्ड खंगालने पर बदमाश की पहचान सावन उर्फ मुच्छड़ मामा के रूप में हुई। उस पर उत्तर प्रदेश में 1 लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह हत्या, डकैती, लूट और रंगदारी समेत कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

बैंकाकसेआईदोमहिलाएंआईजीआईएयरपोर्टपरगिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आईजीआई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बैंकाक से आई दो भारतीय महिला यात्रियों को गिरफ्तार किया है। टीम ने दोनों के पास से कुल 7.9 किलोग्राम से अधिक गांजा और हाइड्रोपोनिक वीड बरामद किया गया। दोनों महिलाएं अलग-अलग उड़ानों से दिल्ली पहुंची थीं। कस्टम्स विभाग ने मादक पदार्थ जब्त कर दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पहले मामले में एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 2333 से बैंकाक से दिल्ली पहुंची महिला यात्री को टर्मिनल-3 पर ग्रीन चैनल पार करते समय संदेह के आधार पर रोका गया। उसके सामान की एक्स-रे जांच और तलाशी के दौरान दो पालीथीन पैकेट मिले। इनमें 2,996 ग्राम सदिग्ध गांजा बरामद हुआ।वहीं, प्राथमिक जांच में नशीले पदार्थ की गांजा होने की पुष्टि हुई। इसके बाद महिला को गिरफ्तार कर लिया दूसरे मामले में 18 अक्टूबर को थाई एयरवेज की उड़ान संख्या टीजी 315 से बैंकाक से दिल्ली पहुंची एक अन्य भारतीय महिला यात्री को ग्रीन चैनल पर रोका गया। उसके बैग रंग के टूली बैग की एक्स-रे जांच और तलाशी लेने पर पांच पालीथीन पैकेट मिले। इनमें कुल 4,918.5 ग्राम हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुई।

दिल्लीमेंप्रदूषणसेथोड़ीराहत,एक्‍यूआईघटकरआया200सेनीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्दी का आगाज होने के साथ ही देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगातार मौसम का मिजाज बदल रहा है। ऐसी स्थिति में वायु गुणवत्ता में भी अलग-अलग परिवर्तन देखे जा रहे हैं। इसी बीच, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, इंडिया गेट के आसपास के इलाके में एयर क्वालिटी इंडेक्स 155 यानी की ‘मध्यम’ श्रेणी में है। वहीं, दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए एक बार फिर से ग्रेप लागू कर दिया गया है, ताकि प्रदूषण की मार झेल रहे लोगों को राहत मिल सके। लेकिन, अफसोस की बात है कि दिल्ली की सड़कों पर पड़ा मलबा इस बात की तस्दीक करता हुआ नजर आ रहा है कि यहां पर ग्रेप के नियमों का पालन करने के प्रति किसी भी प्रकार की गंभीरता नहीं बरती जा रही है। दिल्ली के कई इलाकों में सड़कों पर धूल पड़ी हुई है, जिससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन, अफसोस की बात है कि संबंधित जर्जियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिस वजह से धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। इसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। उधर, शनिवार की बात करें, तो दिल्ली में एक्‍यूआई 179 दर्ज किया गया था और शुक्रवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 230 दर्ज किया गया था।

यूरोपीय देशों में आंदोलन: कई जगह भिड़े पुलिस, उग्र प्रदर्शनकारी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस समेत कईयूरोपीय देशों में युवाओं का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा। फ्रांस की राजधानी पेरिस व अन्य शहरों में शनिवार को युवाओं और श्रमिक संगठनों के आह्वान पर बड़ा प्रदर्शन किया गया। दिनभर प्रदर्शन आमतौर पर शांतिपूर्ण रहा लेकिन शाम होते-होते कईजगहों पर हिंसक घटनाएं हुईं। हालांकि, पिछले हफ्ते की तुलना में स्थिति अपेक्षाकृत शांत रही। उधर, इटली में पीएम जियोर्जिया मेलनी के खिलाफ युवाओं का आक्रोश भड़क उठा है।

लाखों की संख्या में सड़कों पर उतरे आक्रोशित: फ्रांस के गृह मंत्रालय के अनुसार, देशभर में लगभग 4.1 लाख लोगों ने प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। वहीं, जनरल कन्फेडरेशन ऑफ लेबर (जीसीटी) यूनियन का दावा है कि यह संख्या करीब 8 लाख थी। फ्रांसीसी गृह मंत्री लॉरेंट नुमेज ने बताया कि अब तक 135 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके

पास से कई तरह के हथियार जब्त किए गए हैं। इस बार कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए



देशभर में 70,000 पुलिसकर्मियों के साथ-साथ हेलीकॉप्टर, बख्तरबंद गाड़ियां और वॉटर कैनिन तैनात किए गए थे।

रोम और मिलान में कैसा मंजर: इटली के मिलान में प्रदर्शनकारियों ने रात में प्रदर्शन किया। ज्यादातर युवा प्रदर्शनकारियों के हाथों में ‘सरकार के झूठ को ना’ जैसे बैनर देखे गए। प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने इटली के ऊर्जा नियामक के बाहर खाद फेंक कर विरोध दर्ज कराया। उन्होंने एक प्रतीकात्मक, बिजली बिल भी जलाया, जिसकी तस्वीरें स्थानीय टेलीविजन पर प्रसारित हुईं। फैशन के लिए प्रसहूर मिलान में अंतेमेगा, टिफ़नी और गुच्ची सहित कई लक्जरी बुटीक दुकानों को सामने की खिड़कियों को बंद करना पड़ा। एप्पल स्टोर भी बंद रहा। हालात सामान्य होने पर दूसरी दुकानें खुलीं लेकिन बड़े ब्रांड्स के आउटलेट बंद दिखे। दरअसल, पिछले सप्ताह के अंत आंदोलन के दौरान उपद्रव करने वाले लोगों ने दुकानों में तोड़फोड़ की थी। उन्होंने शहर के केंद्रीय डुओमो चौक से निकलने वाली सड़कों पर स्नीकर्स, स्पोर्ट्स वियर और खेल के

सामान को निशाना बनाया था। **पुलिस ने आंसू गैस और वॉटर कैनिन का सहारा लिया:** दक्षिण-पूर्वी शहर ल्योन में प्रदर्शनों पर रोक लगाई गई थी, लेकिन शहर के केंद्र के पास लगभग 150 प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम करने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें हटाने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया। पश्चिमी शहर नांत में हजारों प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की बाढ़ेबंदी को तोड़कर शहर के केंद्र में प्रवेश किया। पुलिस ने आंसू गैस और वॉटर कैनिन का सहारा लिया। भीड़ में शामिल कुछ उपद्रवियों ने पुलिस पर पटाखे और पत्थर फेंके। अन्य शहरों में भी प्रदर्शन हुए और कई जगहों पर चेहरा ढँककर प्रदर्शन करने पर रोक के बावजूद नकाबपोश प्रदर्शनकारी उपद्रव मचाते दिखे। ऑरलियंस शहर में मरीन ले पेन की दक्षिणपंथी नेशनल रैली पार्टी के सम्मेलन के खिलाफ हजारों लोगों ने विरोध मार्च निकाला।

रोम में प्रदर्शनों का स्वरूप कैसा रहा

इटली के ही रोम में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। अधिकारियों ने लक्जरी खरीदारी वाली सड़कों को बंद कर दिया। सर्कस मैक्सिमस और पियाजा डेल पोपोलो के आसपास नियंत्रण बढ़ा दिए गए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने कोलोसियम में जबरन घुसने की कोशिश की, लेकिन गार्डों ने उन्हें बाहर निकाल दिया। अन्य जगहों पर, कई सौ छात्रों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। उन्होंने साफ किया कि उनके आंदोलन का मकसद उपद्रव, दंगा या तोड़फोड़ नहीं है। धुर-दक्षिणपंथी छात्र संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिकार्डो पॉजियो ने कहा कि पिछले सप्ताह की तस्वीरें भयानक थीं। युवा पीढ़ी के अधिकांश छात्र पढ़ाई करना चाहते हैं। उन लोगों से उनका सरोकार नहीं जो मुद्दों की आड़ में पूरे शहर को तबाह करने की मंशा रखते हैं। मध्य रोम में एक अलग युद्ध-विरोधी मार्च भी हुआ। आयोजकों ने संभावित अशांति से खुद को दूर रखने की कोशिश की। ली पेन छह महीने बाद होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में इमैनुएल मैक्रों की जगह लेने के लिए अभियान की शुरुआत कर रही हैं और संघ बताते हैं कि वे दौड़ में सबसे आगे हैं। प्रदर्शनकारी मैक्रों और ली पेन दोनों का विरोध कर रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार भीड़ नारे लगाए-मैक्रों इस्तीफा दो, ली पेन जेल जाओ। पुलिस ने ऑरलियंस में प्रदर्शनकारियों की संख्या 11,000 बताई, जबकि आयोजकों का दावा था कि 26,000 लोग मौजूद थे। मजदूर यूनियनों, वामपंथी दलों और छात्र संगठनों सहित लगभग 50 संगठनों ने ली पेन की प्रवासी-विरोधी नीति के खिलाफ इस प्रदर्शन का आह्वान किया था। इटली में शनिवार को रोम और मिलान जैसे शहरों में हजारों छात्रों, युवाओं और नागरिकों ने प्रदर्शन किए और रैलियां निकालीं।

पूर्वी दिल्ली की सड़कों पर अतिक्रमण

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुनापार की सड़कों से अतिक्रमण हटाने के दावे तो खूब किए जाते हैं। लेकिन, जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। जाफराबाद रोड, वजीराबाद रोड और खजूरी चौक जैसे व्यस्त मार्गों पर रेहड़ी-पटरी और अवैध स्टैंड का कब्जा बरकरार है। कहीं सड़क के बड़े हिस्से पर दुकानें सजी हैं, तो कहीं ऑटो और ई-रिक्शा के स्टैंड ने रास्ता घेर रखा है।

हादसों के बीच सफर करते लोग: नतीजतन लोगों का सफर जाम और हादसों के खतरे के बीच हो रहा है। सड़क पर अतिक्रमण के कारण वाहनों के लिए जगह कम पड़ रही है और पैदल यात्रियों को भी सुरक्षित निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा है। लोगों का आरोप है कि प्रशासन की आंखों के सामने सड़कें घिरी हुई हैं और आम लोग असुरक्षित सफर करने को मजबूर हैं।

वजीराबाद रोड पर भजनपुरा के पास निर्माणाधीन डबल डेकर फ्लाईओवर के आसपास स्थिति और चिंताजनक है। निर्माण कार्य के चलते सड़क पर वाहनों के निकलने के लिए उपलब्ध जगह पहले ही सीमित है। इसके बावजूद सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी का जमावड़ा लगा रहता है।

15 साल से फरार 20 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार, पहचान बदलकर दिल्ली में कर रहा था ड्राइवर की नौकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में लूटपाट के एक मामले में 15 वर्षों से फरार चल रहे 20 हजार रुपये के इनामी बदमाश रविंदर उर्फ सोनू उर्फ चिकना को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने पहचान बदलकर नाम दिलबाग सिंह रख लिया था। वह रोहिणी में रहकर मायापुरी की एक फैक्ट्री में चालक की नौकरी कर रहा था। अदालत ने उसे 2011 में भगोड़ा घोषित किया था।

क्राइम ब्रांच के उपायुक्त आदित्य गौतम के मुताबिक, वारदात 11 मई 2011 को मानसरोवर गार्डन स्थित ओमकारेश्वर मंदिर के पास हुई थी। सुबह करीब 6:30 बजे सचिन अरोड़ा सैर कर रहे थे, तभी बाइक सवार बदमाशों ने सोने की चेन झपट ली। विरोध करने पर एक बदमाश ने उन पर चाकू से हमला कर दिया।

सचिन और उनके साथियों ने बदमाशों का पीछा किया तो आरोपितों ने एक अन्य व्यक्ति को चाकू दिखाकर धमकाया और उसकी कार लूट ली। लोगों की मदद से सुरेश कुमार को मौके पर

अतिक्रमण से बढ़ रही लोगों की परेशानी: इससे यातायात का दबाव बढ़ने के साथ ही हादसों का खतरा भी बना रहता है। व्यस्त मार्ग पर वाहनों को निकलने के लिए कम जगह मिलने से जाम की



स्थिति पैदा होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान अतिक्रमण के कारण परेशानी और बढ़ रही है। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के नीचे खजूरी चौक पर भी अतिक्रमण यातायात व्यवस्था के

लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के इस प्रमुख यातायात केंद्र पर दिनभर वाहनों की आवाजाही रहती है। इसके बावजूद सड़क के हिस्सों पर रेहड़ी-पटरी और ऑटो-ई-रिक्शा के अवैध स्टैंड



बने हुए हैं। इससे वाहनों की रफ्तार प्रभावित होती है और जाम लगता है। वहीं, जाफराबाद मेन रोड पर सड़क से लेकर फुटपाथ तक अतिक्रमण के कब्जे में है।

दिल्ली वालों को बड़ी राहत: नेहरू पार्क में बनेगा भव्य ट्यूलिप गार्डन, पार्किंग और मनोरंजक सुविधाओं से होगा लैस

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने राजधानी दिल्ली में ट्यूलिप के आकर्षण को बढ़ाने के लिए नेहरू पार्क में बड़े ट्यूलिप गार्डन



विकसित करने की योजना बनाई है।

इसके लिए जगह चिह्नित कर ली गई है और स्थल तैयार करने का काम शुरू कर दिया गया है। यहां आने वाले लोगों के लिए पर्याप्त पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। एनडीएमसी के अनुसार, अभी शांति पथ पर ट्यूलिप के फूल देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। इससे सड़क पर जाम

लगता है और कई लोग सड़क किनारे वाहन खड़े कर देते हैं।

पार्किंग की सुविधा नहीं होने के कारण आगंतुक वहां अधिक समय नहीं बिता पाते हैं।

बिता सकेंगे। एनडीएमसी शांति पथ पर भी पहले की तरह ट्यूलिप के फूल लगाएगी। नेहरू पार्क का नया गार्डन इसका अतिरिक्त आकर्षण होगा।

यूएन में भारत बोला: पाकिस्तान दुष्प्रचार में लिप्त, हम अल्पसंख्यकों के अधिकार पर प्रतिबद्ध

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मंच का दुरुपयोग कर दुष्प्रचार फैलाने के लिए पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई है। नई दिल्ली ने स्पष्ट रूप से कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है। भारत ने पाकिस्तान से उसके अवैध कब्जे वाले सभी क्षेत्रों को खाली करने की मांग भी की। इसके साथ ही, भारत ने अल्पसंख्यकों के अधिकारों और जलवायु परिवर्तन से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में भारत के प्रथम सचिव रघु पुरी ने पाकिस्तान के प्रतिनिधियों को अपने नागरिकों के कल्याण पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को सैन्य निर्देशों पर काम करने के बजाय आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। पुरी ने भारत की अल्पसंख्यक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अल्पसंख्यक अधिकारों की सुरक्षा राज्यों का संप्रभु कर्तव्य है। भारत की साविधानिक सुरक्षाएं धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विविधता को दर्शाती हैं। भारतीय राजनयिक यह भी रेखांकित किया कि अल्पसंख्यकों ने भारत के राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 23 अक्टूबर को भारत ने धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति पाकिस्तान के व्यवहार पर भी उसे फटकारा था। भारत के प्रथम सचिव रघु पुरी ने कहा कि पाकिस्तान ने अनुमान के मुताबिक दुष्प्रचार के लिए मंच का दुरुपयोग किया। उन्होंने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। पुरी ने पाकिस्तान से उसके अवैध कब्जे वाले क्षेत्र को खाली करने की मांग की। उन्होंने पाकिस्तान के प्रतिनिधियों को अपने लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देने की सलाह दी। भारत ने अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा को राज्यों का संप्रभु कर्तव्य बताया।



संपादकीय

आर्थिक मोर्चे पर विकास के सकारात्मक संकेत



दर्ज की जा रही है। यह भी तब जब वैश्विक मांग कमजोर देखी जा रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सबसे सकारात्मक बात यह है कि एमएसएमई सेक्टर में लगातार अच्छा काम हो रहा है तो दूसरी

और सर्विस सेक्टर में तो एक तरह से लगातार उछाल ही आ रहा है। कच्चे तेल के भावों में तो जैसे आग ही लग रही है और उपलब्धता को लेकर भी लाख झंझट के बावजूद हकोनोमी को बूस्टअप रखने में खास

बाधा नहीं आ रही है। देश में देसी-विदेशी निवेश में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। महंगाई के बावजूद बाजार में मांग बरकरार है। बाजार में मांग से यह साफ है कि लोगों की क्रय शक्ति बनी हुई है। सर्विस सेक्टर में टूरिज्म, बैंकिंग, आईटी, और इसी तरह के अन्य क्षेत्र उल्लेखनीय परिणाम दे रहे हैं। नवंबर में दीपावली के त्यौहार के चलते बाजार और अधिक गतिशील हो जाएगा क्योंकि दीपावली पर बाजार में तेजी आती ही आती है। जानकारों की माने तो नवंबर माह में दीपावली पर 7 लाख करोड़ का कारोबार अनुमानित किया जा रहा है। यह पिछली दीपावली की तुलना में 15 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक अधिक रहने की संभावना है। इसी तरह से सेवा क्षेत्र में भी अच्छी ग्रोथ जारी रहने का अनुमान है। इसके अलावा विपरीत हालातों के बावजूद निर्यात में लगातार बढ़ोतरी जारी है। देश की इकोनोमिक ग्रोथ

के कारण देसी-विदेशी निवेश के बेहतर हालात दिखाई दे रहे हैं। यही कारण है कि चाहे आईएमएफ हो या मूडीज, ओईसीडी हो या वर्ल्ड बैंक, एशियन डेवलपमेंट बैंक हो या एसएण्डपी या फिच सभी ने भारत की इकोनोमी की ग्रोथ को लेकर सकारात्मक संकेत दिए हैं। भारत का आरबीआई का आंकलन तो पहले से ही सबके सामने है। एकमात्र फिच रेटिंग संस्था ऐसी है जिसने इंडियन इकोनोमी की ग्रोथ रेट 6.9 प्रतिशत आंकी है जोकि हालांकि पूर्व की फिच की ही पूर्व की रेटिंग 6.5 प्रतिशत से ही अधिक है। मूडीज सहित कुछ रेटिंग संस्थाओं ने जहां अब 7 प्रतिशत विकास दर आंक रहे हैं तो वर्ल्ड बैंक, ओईसीडी आदि संस्थाओं को भरोसा है कि भारत की आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत से अधिक यानी की 7.1 प्रतिशत रहने की संभावना है।

जलवायु संकट: सिर्फ पेड़ लगाने का मतलब जंगल उगाना नहीं

पंकज चतुर्वेदी

निरंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैंग) की ग्रीन इंडिया मिशन पर ऑडिट रिपोर्ट के आंकड़े चिंता पैदा करते हैं. 2015-16 से 2024-25 के बीच मिशन का लक्ष्य लगभग 14 लाख हेक्टेयर में वन व वृक्ष आच्छादन बढ़ाना था. रिपोर्ट के अनुसार वास्तविक बढ़ोतरी करीब 30 हजार हेक्टेयर रही, यानी लगभग 97.57 प्रतिशत कम. बिगड़े वनों को सुधारने के इतने ही लक्ष्य के सामने काम सवा लाख हेक्टेयर से भी कम पर हुआ. ऑडिट ने कमजोर योजना, ढीले वित्तीय प्रबंधन, अधूरी निगरानी और विभागों के बीच तालमेल की कमी को गिनाया है. पर इन खामियों के पीछे एक गहरी भूल छिपी है- हम पौधे रोपने को ही जंगल बनाना मान बैठे हैं. भारतीय वन सर्वेक्षण की ताजा



गणना में वन आच्छादन लगभग 21.71 प्रतिशत और वृक्ष आच्छादन करीब 2.91 प्रतिशत बताया गया है. कुल हरित आवरण करीब 24.62 प्रतिशत हुआ. यह तस्वीर अश्वस्त करती है, पर सवाल उस पैमाने का है जिससे यह नापी गई. गणना में एक हेक्टेयर या उससे बड़े ऐसे भू-खंड जोड़ लिए जाते हैं जहां कम से कम दस प्रतिशत

भूमि पर वृक्षों का छत्र हो. भूमि निजी बाग हो या व्यावसायिक रोपण, इससे फर्क नहीं पड़ता. यानी आम का बाग, सफेदे की कतारें और शहर की हरियाली, सब 'आच्छादन' में गिने जाते हैं. संयुक्त राष्ट्र के मानदंड खेती और शहरी भूमि के पेड़ों को जंगल नहीं मानते. तब 'हरित आवरण' का बढ़ना और 'जंगल' का बचना अलग-अलग बातें हैं. एक आंकड़ा बढ़ सकता है और दूसरा घट सकता है. पेड़ों की गिनती से जंगल नहीं बनता. जंगल एक जीवित व्यवस्था है. उसमें ऊंचे वृक्ष, मझोले पेड़, झाड़ियां, घास, लताएं, पतियों की परत, मिट्टी के नीचे की फफूंद और सूक्ष्मजीव, कीट-पतंगे, पक्षी और वन्यजीव सब एक-दूसरे पर टिके रहते हैं. यह संतुलन दशकों में बनता है, अक्सर सदियों में. वर्षों का जल इसकी जड़ों और पतियों की परत में रुककर धीरे-धीरे भुजल बनता है. ऐसे जंगल की जगह एक ही प्रजाति के पेड़ कतार में लगा देने से हरे रंग की उपस्थिति तो बढ़ जाती है, पर जैव-विविधता, जल-संग्रहण और मिट्टी की संहत वापस नहीं आती. एकल प्रजाति का रोपण प्रशासन के लिए सुविधाजनक है. उसे गिनना आसान है और रिपोर्ट में अच्छा दिखता है. लेकिन पारिस्थितिकी के लिए वह अक्सर एक हरा रेगिस्तान साबित होता है. सरकारी आंकड़े ही बताते हैं कि जंगल के बदले जो रोपण हुआ, वह बराबरी का नहीं था. 2003 के बाद लगभग 20 हजार वर्ग किलोमीटर घने जंगल गैर-वन कार्यों के लिए अधिसूचित हुए. उनकी भरपाई में लगभग 11 हजार वर्ग किलोमीटर में पेड़ लगाए गए, और वह भी ऐसी जगह जहां पहले जंगल था ही नहीं.

आज का कार्टून



दुनिया की नजर इस बात पर टिकी है कि भारत रूस से कितना तेल खरीद रहा है, वेनेजुएला से कितना तेल खरीदेगा और अमेरिकी दबाव के आगे भारत अपने फैसले बदलेगा या नहीं। लेकिन इस पूरे शोर-शराबे के बीच एक बड़ा सवाल जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है कि इराक से भारत कितनी बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहा है और इस खरीद से अपने आर्थिक हितों को कैसे साध रहा है? देखा जाये तो रूस और वेनेजुएला के तेल पर दुनिया बहस करती रहे, लेकिन भारत की असली रणनीति समझनी है तो इराक के साथ उसके तेल कारोबार पर नजर डालनी होगी। यही वह मोर्चा है, जहां भारत अपनी जरूरत, बाजार और कीमत के हिसाब से फैसले लेकर दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति किसी के दबाव से नहीं, बल्कि देश के हितों से तय होती है।

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है। देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, उद्योग और आम आदमी के जीवन में पेट्रोलियम की अहम भूमिका है। ऐसे में तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि भी भारत के आयात बिल, महंगाई और रुपये पर दबाव डाल सकती है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में इराक ने भारत को 4.711 करोड़ मीट्रिक टन कच्चा तेल उपलब्ध कराया। यह भारत के कुल तेल आयात के मूल्य का लगभग 19.16 प्रतिशत था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद इराक भारत का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि इराक भारत के लिए कोई मामूली या वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता नहीं है। वह भारत की ऊर्जा व्यवस्था का एक प्रमुख आधार है। भारतीय तेल कंपनियां इराक से निर्यातित रूप से तेल खरीदती हैं और इस व्यापार के माध्यम से दोनों देशों के आर्थिक संबंध भी मजबूत होते हैं। इराक से भारत की खरीद का महत्व हाल के घटनाक्रमों से और बढ़ गया है। 22 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में भारत ने इराक से प्रतिदिन लगभग 8.30 लाख बैरल तेल आयात किया, जबकि आपस में यह मात्रा लगभग 1.71 लाख बैरल प्रतिदिन थी। इसी दौरान

भारत का रूस से तेल आयात लगभग 14 प्रतिशत घटकर 18 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। यह बदलाव बताता है कि भारत की तेल खरीद किसी एक राजनीतिक ममीकरण से तय नहीं होती। जब मध्य-पूर्व का तेल प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्ध होता है, तो भारतीय रिफाइनरियां उसकी ओर रुख कर सकती हैं। रूस का तेल भी भारतीय बाजार के लिए महत्वपूर्ण बना रहता है, लेकिन खरीद का फैसला कीमत, परिवहन खर्च, उपलब्धता और रिफाइनरी की जरूरतों के आधार पर होता है। इस रणनीति का एक और उल्लेखनीय उदाहरण सामने आया। इसी महीने की एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने इराक के बसरा टर्मिनल से लगभग 20 लाख बैरल बसरा मीडियम क्रूड की एक खेप खरीदने पर सहमति जताई थी। रिपोर्ट में इस खरीद के लिए दुबई के तेल मूल्य से 32 डॉलर प्रति बैरल कम कीमत का उल्लेख किया गया। यह उदाहरण उस मूल सिद्धांत को सामने

लाता है जिस पर भारत की ऊर्जा रणनीति आधारित होनी चाहिए। यानि जहां बेहतर आर्थिक शर्तें मिलें, वहां से तेल खरीदने के विकल्प खुले रखे जाएं।

देखा जाये तो तेल बाजार में भारत जैसे बड़े



खरीदार का निर्णय केवल उसकी घरेलू अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता। भारत प्रतिदिन लाखों बैरल कच्चे तेल का आयात करता है। इसलिए यदि भारतीय कंपनियां रूस के बजाय इराक या दूसरे मध्य-पूर्वी उत्पादकों से अधिक तेल खरीदती हैं, तो अलग-अलग तेल ग्रेड की मांग, व्यापारिक प्रवाह और क्षेत्रीय मूल्य प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है। सितंबर 2026 में मध्य-पूर्व से भारत का कुल तेल आयात बढ़कर लगभग 28 लाख बैरल प्रतिदिन

पहुंच गया। यह भारत के कुल तेल आयात का लगभग 54 प्रतिशत था। बताया जा रहा है कि मध्य-पूर्वी तेल की बेहतर उपलब्धता और रूसी तेल पर घटते मूल्य-लाभ ने इस बदलाव में भूमिका निभाई।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि इराक से ज्यादा तेल खरीदते ही दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतों में गिर जाएगी। वैश्विक कीमतों पर ओपेक की उत्पादन नीति, युद्ध, समुद्री परिवहन, मांग और आपूर्ति जैसे कई कारक असर डालते हैं। लेकिन भारत का विविध स्रोतों से खरीदना आपूर्तिकर्ताओं के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और अपने लिए बेहतर

सौदे हासिल करने में मदद कर सकता है। यहां सवाल उठता है कि इस सबसे भारत को क्या फायदा हो सकता है? देखा जाये तो पहला फायदा है आयात लागत में बचत। अगर किसी खेप का वास्तविक पहुंच-मूल्य अन्य विकल्पों की तुलना में कम पड़ता है, तो भारतीय कंपनियां खेप घट सकता है। इसका लाभ रिफाइनरियों के मुनाफे और व्यापक अर्थव्यवस्था को मिल सकता है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कम कीमत का

लाभ पेट्रोल-डीजल के खुदरा दामों में कितना पहुंचेगा, यह करें। रिफाइनिंग लागत और सरकारी मूल्य निर्धारण जैसे दूसरे कारकों पर भी निर्भर करता है। दूसरा फायदा है रणनीतिक स्वतंत्रता। भारत को रूस, इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और जरूरत के अनुसार अन्य उत्पादकों से तेल खरीदने के विकल्प बनाए रखने चाहिए। इससे किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता कम होती है और प्रतिबंधों या आपूर्ति संकट की स्थिति में विकल्प उपलब्ध रहते हैं। तीसरा फायदा है भारत की सौदेबाजी की ताकत। जब भारतीय रिफाइनरियां कई कारगरों से खरीद सकती हैं, तो किसी एक आपूर्तिकर्ता की शर्तों को स्वीकार करना उनकी मजबूरी नहीं रह जाता। लेकिन इस लाभ को बनाए रखने के लिए समुद्री मार्गों की सुरक्षा, तेल की गुणवत्ता, परिवहन बीमा और भुगतान व्यवस्था का भी ध्यान रखना जरूरी है।

इसके अलावा, इराक से प्रतिस्पर्धी शर्तों पर तेल खरीदना और अंतरराष्ट्रीय दबावों के बावजूद भारत के हितों को ध्यान रखना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा रणनीति का एक बड़ा मास्टरस्ट्रोक है। दुनिया भर की सरकारें तेल की बढ़ती कीमतों और उसके आर्थिक बोझ से जूझ रही हैं, वहीं भारत ने अंतरराष्ट्रीय उल्लंघन के बीच पेट्रोल-डीजल की घरेलू कीमतों में लगभग स्थिरता बनाए रखकर आम जनता को बड़ी राहत देने की कोशिश की है।

वाणी के पास इतिहास रचने का मौका



नई दिल्ली। भारतीय गोल्फर वाणी कपूर ने Hero Women's Indian Open 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिए हैं। टूर्नामेंट के तीसरे दिन वाणी ने तीन अंडर 69 का कार्ड खेलकर कुल पांच अंडर 211 स्कोर के साथ बढ़त हासिल कर ली। अब उनकी नजरें एक दशक बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का खिताब भारत वापस लाने पर हैं। वहीं, एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स और तवेसा मलिक भी खिताब की दौड़ में बनी हुई हैं। 32 वर्षीय वाणी कपूर ने तीसरे राउंड के दौरान शानदार खेल दिखाया। उन्होंने तीन अंडर 69 का कार्ड खेलते हुए कुल स्कोर पांच अंडर 211 तक पहुंचाया। वाणी अब खिताब की प्रबल दावेदार बन गई हैं और उनके पास अंतिम राउंड में इतिहास रचने का मौका होगा। वाणी कपूर को खिताब जीतने के लिए गत चैंपियन सिंगापुर की शैनन टैन और थाईलैंड की अनुभवी गोल्फर पोर्ननॉंग फाटलम से कड़ी चुनौती मिलेगी। शैनन ने तीसरे राउंड में 67 का कार्ड खेला, जबकि फाटलम ने 69 का कार्ड बनाया। दोनों खिलाड़ियों का कुल स्कोर वाणी से सिर्फ एक शॉट पीछे है, जिससे अंतिम दिन मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

परिवार और दोस्तों के समर्थन से आत्मविश्वास में वाणी

वाणी कपूर ने कहा कि परिवार और दोस्तों का साथ उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि उनके करीबी लोग उन्हें याद दिलाते रहेंगे कि अभी 18 होल का खेल बाकी है और असली काम पूरा करना है। वाणी का मानना है कि यह समर्थन उन्हें शांत रहने और खिताब की चुनौती पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगा।

प्रणवी उर्स बीमारी और थकान के बावजूद चौथे स्थान पर

एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स ने बीमारी और थकान से जूझने के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया। तीसरे राउंड में उन्होंने 73 का कार्ड खेला और कुल तीन अंडर 213 स्कोर के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहें। अर्जेंटीना की मैग्दालेना सिमरमावर भी इसी स्कोर के साथ उनके बराबर हैं। प्रणवी अब अंतिम राउंड में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगी।

सिनियाकोवा ने जीता खिताब

ओसाका, एजेंसी। चेक गणराज्य की टेनिस खिलाड़ी कैटरीना सिनियाकोवा ने जापान ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया है। रविवार को खेले गए फाइनल में उन्होंने अमेरिका की एश्लिन क्रूगर को एकतरफा मुकाबले में 6-1, 6-0 से हराया। इस जीत के साथ सिनियाकोवा ने तीन साल बाद अपना पहला सिंगल्स खिताब जीता और करियर की छठी एकल ट्रॉफी अपने नाम की कैटरीना सिनियाकोवा ने फाइनल में शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया और एश्लिन क्रूगर को वापसी का मौका नहीं दिया। उन्होंने महज 64 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। सिनियाकोवा ने पूरे मैच में क्रूगर की सर्विस छह बार तोड़ी और दोनों सेट में अपना दबदबा बनाए रखा।

तीन साल बाद जीता सिंगल्स खिताब

30 वर्षीय सिनियाकोवा के लिए यह जीत खास रही, क्योंकि उन्होंने आखिरी बार 2023 में चीन के नानचांग में जियांगशी ओपन का सिंगल्स खिताब जीता था। जापान ओपन की ट्रॉफी उनके करियर का छठा सिंगल्स खिताब है। उन्होंने पहली बार 2017 में चीन के शेनझेन में एकल खिताब जीतकर अपने करियर की शुरुआत की थी।सिनियाकोवा को टेनिस में खास तौर पर डबल्स की बेहतरीन खिलाड़ी के रूप में जाना जाता है। उनके नाम करियर में 39 डबल्स खिताब हैं। पिछले महीने उन्होंने टेलर टाउनसेंड के साथ यूएस ओपन महिला डबल्स का खिताब भी जीता था। जापान ओपन में मिली जीत ने उनके सिंगल्स करियर को भी नई मजबूती दी है।



● **फाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी को रौंदा**

संक्षिप्त

समाचार

तीसरे टी-20 में नहीं खेलेंगे फर्ग्यूसन, हेनरी सीरीज से हुए बाहर

भारत के खिलाफ मौजूदा टी20 सीरीज खेल रही न्यूजीलैंड की टीम के तेज गेंदबाजी विकल्पों की आने वाले दिनों में कड़ी परीक्षा होने वाली है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, खिलाड़ियों के वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत तेज गेंदबाजों को रोटेट किया जा रहा है। लॉकी फर्ग्यूसन मंगलवार को वेलिंगटन में होने वाले तीसरे टी20 मैच के लिए यात्रा नहीं करेंगे, बल्कि रविवार को ऑकलैंड चले जाएंगे ताकि वे शुक्रवार को ऑकलैंड और फिर हैमिल्टन में होने वाले चौथे और पांचवें टी20 मैच के लिए उपलब्ध रह सकें। वहीं, मैट हेनरी क्राइस्टचर्च में ही रुकेगे, जहां पहले दो टी20 मैच खेले गए थे। वह इस सीरीज के



बाकी बचे तीनों टी20 मैचों से बाहर हो गए हैं। इसके बजाय, वह न्यूजीलैंड और भारत के बीच चार नवंबर को खेले जाने वाले पहले वनडे मैच से पहले ऑकलैंड के लिए रवाना होंगे। काइल जैमीसन, जो शुरुआती दोनों टी20 मैचों का हिस्सा नहीं थे, तीसरे मैच के लिए वेलिंगटन जाएंगे। और मैच के बाद वहीं रुकेंगे ताकि वे 31 अक्टूबर को वेलिंगटन के खिलाफ केंटरबरी के फोर्ड ट्रॉफी दूसरे दौर के मैच के लिए उपलब्ध रह सकें। इसके बाद जैमीसन भी वनडे मुकाबलों के लिए ऑकलैंड रवाना होंगे। ब्लेयर टिकनर अंतिम तीन मैचों के लिए वेलिंगटन में टी20 टीम से जुड़ेंगे, जबकि जोश क्लार्कसन ऑकलैंड जाएंगे और अंतिम दो टी20 मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। वहीं, मैट फिशर केवल तीसरे टी20 मैच के लिए कवर के रूप में टीम के साथ वेलिंगटन की यात्रा करेंगे और उसके बाद भारत ए के खिलाफ अपने दूसरे चार दिवसीय मुकाबले से पहले न्यूजीलैंड ए टीम में वापस लौट आएंगे।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप ललित कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंचे

अस्ताना। भारत के ललित ने अमेरिका के मैक्स एमिलियानो नोवरी की 7-0 हराकर ग्रीको रोमन विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई, लेकिन तीन अन्य भारतीय पहलवान पहले दौर में ही बाहर हो गए। ललित कांस्य पदक के मुकाबले में कजाकिस्तान के इस्कर कुरबायेव से भिड़ेंगे। अगर वह यह मैच जीत जाते हैं तो विश्व चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे।संदीप तुलसी यादव एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने 2013 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता नितेश सिवाच सहित तीन अन्य भारतीय पहलवान शुरुआती मुकाबलों से आगे नहीं बढ़ पाए। सिवाच को 97 किलोग्राम वर्ग में जर्मनी के एटोन व्यूएंग से हार का सामना करना पड़ा। जर्मनी के खिलाड़ी ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल की।करणजीत (72 किलोग्राम) अपने क्वालीफाईंग मुकाबले में जापान के रिनतारो सोगबे से 2-3 से हार गए। करनजीत अच्छी स्थिति में थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए जबकि सोगबे ने जवाबी हमला करके अंक बनाकर भारतीय खिलाड़ी को पीछे छोड़ दिया।

वैभव सूर्यवंशी को नंबर 3 पर उतारने पर उठे सवाल, अश्विन ने दी बड़ी सलाह



नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बल्ला खामोश रहा। चोटिल ईशान किशन की जगह प्लेइंग इलेवन में शामिल किए गए वैभव को नंबर-3 पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया, लेकिन वह आठ गेंदों पर सिर्फ चार रन बनाकर आउट हो गए। अब भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने उनकी बल्लेबाजी पोजिशन पर सवाल उठाते हुए टीम मैनेजमेंट को अहम सलाह दी है।

‘वैभव पानी से बाहर मछली की तरह दिखे’

क्राइस्टचर्च में भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टी20 मुकाबला समाप्त होने के बाद रविचंद्रन अश्विन ने प्रसारक से बातचीत में वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन का विश्लेषण किया। अश्विन ने कहा, ‘यह मिस रहा। वैभव जैसे युवा क्रिकेटर के लिए इसे मिस कहना भी मुझे लगता है कि अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन मेरे पास हिट या मिस के केवल दो विकल्प हैं, इसलिए वह थोड़ा पानी से बाहर मछली की तरह नजर आए। वह लगातार बड़े शॉट खेलने की कोशिश करते रहे और आठ गेंदों तक ऐसा ही करते रहे।’

‘नंबर-3 पर बल्लेबाजी करना उनके लिए सही भूमिका नहीं’

अश्विन के मुताबिक, वैभव सूर्यवंशी को नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते समय सहजता महसूस नहीं हुई। वह आमतौर पर आक्रामक अंदाज में खेलने के लिए पहचाने जाते हैं, लेकिन इस मुकाबले में छठे ओवर में बल्लेबाजी के लिए उतरने के बाद उन्हें अपनी पारी को संभालने में परेशानी हुई। पूर्व भारतीय स्पिनर ने कहा, ‘ऐसा नहीं लगा कि वह गेंद को सही टाइमिंग के साथ खेल पा रहे थे। जब ऐसा होता है, तब आपको एक अनुभवी बल्लेबाज की जरूरत होती है, जो उनके पास जाकर उन्हें शांत रहने के लिए कहे।’ अश्विन का मानना है कि युवा खिलाड़ी को दबाव के समय सही मार्गदर्शन देना टीम के वरिष्ठ बल्लेबाजों की जिम्मेदारी भी है।

वैभव नहीं, संजु सैमसन को भेजें नंबर-3 पर

रविचंद्रन अश्विन ने भारतीय टीम मैनेजमेंट को बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने की सलाह भी दी। उनका कहना है कि अगर टीम इंडिया वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा और संजु सैमसन तीनों को एक साथ प्लेइंग इलेवन में खिलाना चाहती है, तो संजु को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जा सकता है। अश्विन ने कहा, ‘देखिए, मुझे लगता है कि उन्होंने पहले भी इस संयोजन के साथ खेला है और तब संजु को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नीचे आना पड़ा था। अगर टीम इसी संयोजन के साथ खेलना चाहती है, तो मुझे यकीन नहीं है कि वैभव को ही नंबर-3 पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। लेकिन जो हुआ, वह हुआ। आज वैभव के लिए यह प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।’

दूसरे टी20 में वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन

ईशान किशन के चोटिल होने के बाद वैभव सूर्यवंशी को दूसरे टी20 में प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। उन्हें नंबर-3 पर बल्लेबाजी का मौका मिला, लेकिन वह आठ गेंदों पर सिर्फ चार रन बनाकर आउट हो गए। इस दौरान वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रभाव नहीं छोड़ सके।भारतीय टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और शीर्ष क्रम के लगातार विकेट गिरने से दबाव बढ़ गया। ऐसे में वैभव से बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वह इस मौके का फायदा नहीं उठा सके। हालांकि, एक खराब पारी के आधार पर उनकी क्षमता का आकलन करना जल्दबाजी होगी।

सैंटनर बोले-तिलक वर्मा ने फिनिशर की भूमिका शानदार निभाई

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा के फिनिशर के रूप में उभरने से प्रभावित न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने खुद को नई भूमिका में शानदार तरीके से ढाला है। तिलक ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में नाबाद 51 रन की पारी खेलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सैंटनर ने तिलक को मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल एक साथ खेलते हुए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखा है, लेकिन अब बाएं हाथ का यह बल्लेबाज मैच खत्म करने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रहे हैं।



जीत में दिया अहम योगदान

भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टी20 अंतराष्ट्रीय में 21 रन देकर चार विकेट लेने वाले सैंटनर मुंबई इंडियंस की टीम में तिलक के अलावा भारत की जीत की नींव रखने वाले नमन धीर के साथ थी ड्रेसिंग रूम साझा कर चुके हैं। सैंटनर ने कहा, जब तिलक ने शुरुआत की थी, तब वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते थे। वह भूमिका थोड़ी अलग होती है। मध्यक्रम में आपकी भूमिका इस बात पर निर्भर करती है कि आप पारी के बीच के ओवरों और अंतिम ओवरों में किस तरह बल्लेबाजी करते हैं। मैं उन्हें मुंबई में पिछले कुछ वर्षों से खेलते देख रहा हूं। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। उन्होंने तिलक के साथ बेहतरीन साझेदारी करने वाले नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ करते हुए कहा, नमन धीर के साथ भी ऐसा ही है। वह जिस तरह मैदान पर उतरते हैं और शुरुआत से ही बेखौफ होकर खेलते हैं, वह शानदार है। तिलक ने दूसरे मैच में थोड़ा समय लिया, लेकिन अंत में रेड्डी के साथ मिलकर लक्ष्य का पीछा बहुत अच्छी तरह संभाला।

तिलक वर्मा के धैर्य से प्रभावित हुए अश्विन

रविचंद्रन अश्विन ने तिलक वर्मा की बल्लेबाजी और दबाव में उनके प्रदर्शन की भी तारीफ की। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में तिलक ने 26 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाकर भारत को चार विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।अश्विन ने कहा, ‘तिलक वर्मा भी शानदार धैर्य दिखा रहे हैं। मैं अभी नीतीश के टेम्पारामेंट को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हूं, लेकिन भारत के मिडिल ऑर्डर और लोअर मिडिल ऑर्डर में इतनी ताकत है कि विरोधी टीमों को घिंता करनी पड़ेगी। मेरे लिए यह टीम का एक बड़ा सकारात्मक पक्ष है।’ अश्विन की यह टिप्पणी भारतीय टीम के बल्लेबाजी क्रम में बढ़ती गहराई को दर्शाती है।

तीसरे टी20 में टीम इंडिया की रणनीति पर रहेंगे नजरें

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टी20 मुकाबला 27 अक्टूबर को खेला जाना है। दूसरे मैच में जीत के बाद भारतीय टीम सीरीज में अपनी बढ़त मजबूत करना चाहेगी। वहीं, वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी पोजिशन को लेकर अश्विन की टिप्पणी के बाद टीम मैनेजमेंट के फैसले पर भी सबकी नजरें रहेंगी।अगर संजु सैमसन को तीसरे नंबर पर भेजा जाता है, तो वैभव को उनकी पसंदीदा भूमिका में खेलने का मौका मिल सकता है। हालांकि, अंतिम फैसला टीम मैनेजमेंट ही करेगा। भारतीय टीम के लिए सबसे अहम बात यह होगी कि युवा खिलाड़ियों को सही भूमिका और पर्याप्त आत्मविश्वास दिया जाए।

खेलने से पहले फिटनेस का आकलन करना जरूरी: धोनी

बंगलूरु, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने भविष्य को लेकर अहम संकेत दिया है। धोनी ने कहा कि अगले सीजन में खेलने का फैसला लेने से पहले उन्हें अपनी फिटनेस का आकलन करना होगा। उन्होंने संकेत दिया कि इस संबंध में दिर्संबर से पहले फैसला लिया जा सकता है। बंगलूरु में एक हेल्थकेयर कार्यक्रम के दौरान धोनी से पूछा गया कि क्या वह आईपीएल का एक और सीजन खेलना चाहेंगे। इस पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि पहले उन्हें फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा और रिपोर्ट के आधार पर यह देखना होगा कि वह एक और सीजन खेलने के लिए कितने मजबूत हैं।धोनी ने अपने भविष्य पर बात करते हुए कहा ‘डॉक्टर, मुझे टेस्ट से गुजरना होगा। मैं फिटनेस के लिए रिपोर्ट देनी होगी और फिर दिर्संबर से पहले मुझे देखना होगा कि मैं एक और सीजन खेलने के लिए कितना मजबूत हूं।’ उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज

में कहा कि अगर वह खेलने की स्थिति में नहीं हुए, तो डॉक्टरों को उनकी सेहत का पूरा ध्यान रखना होगा, ताकि यह पुरानी गाड़ी सड़क पर अच्छी तरह चलती रहे।

चोट के कारण नहीं खेले धोनी

एमएस धोनी आईपीएल 2026 में फिटनेस संबंधी समस्याओं, खासकर पिंडली की पेशानाी के कारण पूरे सीजन से बाहर रहे। उनकी गैरमौजूदगी चेन्नई सुपर किंग्स के प्रशंसकों के लिए निराशाजनक रही। अब सभी की नजरें उनकी फिटनेस और अगले सीजन में संभावित वापसी पर हैं। हालांकि, धोनी ने अभी आईपीएल 2027 में खेलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

पिछले सीजन रहे निराशाजनक

चेन्नई सुपर किंग्स ने धोनी की कप्तानी में आखिरी बार 2023 में आईपीएल खिताब जीता था। 2024 से ऋतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में खेल रही टीम को पिछले दो सीजन में अपेक्षित सफलता नहीं मिली। टीम



2025 में अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रही, जबकि 2026 में आठवें स्थान पर रही। ऐसे में धोनी की संभावित वापसी को लेकर प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है। हालांकि, टीम में उनकी भूमिका और अगले सीजन में खेलने की संभावना उनकी फिटनेस तथा अंतिम निर्णय पर निर्भर करेगी।

आरसीबी ने शानदार प्रदर्शन किया

एमएस धोनी ने कहा कि कागजों पर किसी टीम का मजबूत दिखना उतना मायने नहीं रखता, जितना मैदान पर सही दिन अच्छा प्रदर्शन करना। उनके मुताबिक, टी20 जैसे छोटे प्रारूप में शीर्ष टीमों के बीच अंतर बहुत कम होता है और एक मैच का प्रदर्शन नतीजा बदल सकता है।धोनी ने माना कि पिछले दो वर्षों में सीएसके का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, जबकि आरसीबी ने लगातार बेहतर क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि आरसीबी की उपलब्धियों को स्वीकार करने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए।